Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 127 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शनिवार 21 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पीएम मोदी बिहार को 34,470 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

■ विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को बिहार के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वह वैशाली जिले में करीब 34,470 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 1:15 बजे वैशाली जिले में नीतीश सेतु का दौरा करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे तथा जनसभा को संबोधित करेंगे। इन परियोजनाओं में सड़क संपर्क, ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढांचा, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और परिवहन सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। इनका उद्देश्य राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार करना है। प्रधानमंत्री गंगा नदी पर बने नीतीश सेतु को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। करीब 4,280 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्स्ट्राडोज्ड केबल-स्टे ब्रिज 19.7 किलोमीटर लंबा है। यह पटना जिले में एनएच-22 पर कच्ची दरगाह को वैशाली जिले में एनएच-322 पर बिदुपुर से जोड़ता है। परियोजना में 9.7 किलोमीटर लंबा मुख्य पुल और 10 किलोमीटर की संपर्क सड़कें शामिल हैं। यह पुल गंगा नदी पर एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध कराएगा। इससे मौजूदा महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु पर यातायात का दबाव कम होगा



तथा उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच यात्रा का समय घटेगा।

इससे विशेष रूप से राघोपुर दियारा के निवासियों को पटना तक पहुंचने सुगम होगी। इससे बाजारों तक पहुंच बेहतर होने के साथ क्षेत्र में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की कई प्रमुख बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। सड़क क्षेत्र में एनएच-19 के औरंगाबाद-चोरदाहा खंड, एनएच-227एफके चोरमा-बैरगनिया खंड और एनएच-327 के उमगांव-सहरसा खंड को छह लेन का बनाने सहित कई परियोजनाएं शामिल हैं। ऊर्जा क्षेत्र में प्रधानमंत्री 1,320 मेगावाट क्षमता वाली बक्सर ताप विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट की दूसरी यूनिट का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही ऊर्जा विभाग की बिजली वितरण और पारेषण से जुड़ी परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया और स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी जरूरी सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। पुल से कृषि उत्पादों और औद्योगिक सामान की आवाजाही भी जाएगा। इनमें 1,130 करोड़ रुपये से अधिक की पुनर्निर्मित वितरण क्षेत्र योजना (ऋष्टस्स्) के तहत बिजली नुकसान कम करने से जुड़े कार्य शामिल हैं। अन्य परियोजनाओं में नहरों और तटबंधों का पुनरुद्धार एवं सुदृढ़ीकरण, नवादा के फुलवरिया बांध पर फ्लोटिंग सोलर परियोजना और कहलगांव में सीवरेज बुनियादी ढांचे का उद्घाटन शामिल है। प्रधानमंत्री शैक्षणिक संस्थानों, आवासीय विद्यालयों, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि, खेल और सार्वजनिक प्रशासन से जुड़ी इमारतों एवं सुविधाओं का भी उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं से सिंचाई, शहरी सेवाओं और आवश्यक सुविधाओं तक लोगों की पहुंच बेहतर होने की उम्मीद है।

'उत्तर प्रदेश में हम सरकार बनाएंगे', कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत का दावा

लखनऊ। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन का भरोसा जताते हुए सुप्रिया ने कहा, जिन्हें सीट बंटवारे पर चर्चा करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, वो आने वाले दिनों में इस विषय पर बैठक करेंगे। दोनों पार्टियों के बीच एक अच्छा समझौता होगा, सीट बंटवारे की एक ठोस व्यवस्था बनेगी; राज्य में एक मज़बूत गठबंधन चुनाव लड़ेगा और उत्तर प्रदेश में हम सरकार बनाएंगे। सुप्रिया ने उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने जिस तरह की राजनीति की है, उससे हर कोई छुटकारा पाना चाहता है। चाहे गांव का व्यक्ति हो या शहर का, युवा हो या बुज़ुर्ग, हर किसी को अपना भविष्य अंधकारमय नज़र आ रहा है।

छत्तीसगढ़ में तूफान अकवान का डबल अटैक

■ बारिश से भीगा रायपुर, 11 जिलों में अलर्ट

रायपुर (विश्व परिवार)। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान अकवान का असर अब छत्तीसगढ़ में दिखने लगा है। राजधानी रायपुर में गुरुवार रात करीब 11 बजे के बाद अचानक मौसम बदल गया। ठंडी हवाओं के साथ हुई हल्की बारिश ने शहर में ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह रायपुर समेत प्रदेश के 11 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है। रायपुर की सड़कों पर देर रात मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। बूंदाबांदी और ठंडी हवा चलने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ठंड बढ़ने से बचने के लिए शहर में कई जगह लोग अलाव तापते दिखे।

इन 11 जिलों में यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह ताजा



चेतावनी जारी की है। इसके तहत प्रदेश के 11 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट घोषित किया गया है। इस सूची में राजधानी रायपुर के अलावा कई अन्य प्रमुख जिले भी शामिल हैं। इनमें बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद का नाम है। इन सभी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और बिजली गिरने की आशंका है।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान अकवान तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यह तूफान आज दोपहर तट से टकरा सकता है।

चक्रवात से प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री साय

■ मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी कलेक्टरों को फसल क्षति का सर्वेक्षण कराने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अकवान चक्रवात के कारण फसलों को हुए नुकसान को लेकर किसानों को आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार हर प्रभावित किसान के साथ खड़ी है। किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। चक्रवात से हुई फसल क्षति का सर्वेक्षण कराकर सभी पात्र किसानों को नियमानुसार सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जिला कलेक्टरों को चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का सर्वेक्षण



कराने के निर्देश दिए हैं। सर्वेक्षण के आधार पर प्रभावित किसानों को राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत पात्रतानुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जिन किसानों की फसलें बीमित हैं, उन्हें संबंधित फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार पात्र बीमा दावा राशि दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभावित किसानों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

सीएम योगी की माताजी के निधन पर गहरा दुःख जताया

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी श्रीमती सावित्री देवी जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया है कि माँ का स्थान जीवन में सर्वोपरि होता है। एक पुत्र के लिए माँ ही उसकी पूरी दुनिया होती है। माँ का निःस्वार्थ प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, जिसकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस दुःखद घड़ी में उनकी गहरी संवेदनाएँ मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं उनके शोकसंतप्त परिवार के साथ हैं।

भारतीय नौसेना को मिला स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत

■ पानी के भीतर निरीक्षण और बचाव क्षमता होगी मजबूत



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को गोताखोरी सहायता पोत (डीएससी) परियोजना के तहत निर्मित डीएससी ए21 (यार्ड 326) सौंप दिया गया है। 20 नवंबर, 2026 को मुंबई स्थित नौसेना गोदी में इस पोत की सुपुर्दगी की गई। इसका स्वदेशी डिजाइन और निर्माण कोलकाता की मेसर्स टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) ने किया है। यह पोत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल का उदाहरण है।

डीएससी ए21 को दो पतवारों वाली संरचना के कैटामरन डिजाइन पर बनाया गया है। यह अत्याधुनिक गोताखोरी उपकरणों से लैस है। इसके उन्नत डिजाइन से पोत को अधिक स्थिरता, डेक पर अतिरिक्त जगह और समुद्र में बेहतर संचालन क्षमता मिलती है। ये विशेषताएं इसे नौसेना को सौंपे गए विशेष कार्यों के लिए उपयुक्त बनाती हैं। इस पोत को भारतीय नौसेना के नियमों और भारतीय पोत पंजीकरण (आईआरएस) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है। डिजाइन के चरण में इसके जलगतिकीय विश्लेषण और मॉडल परीक्षण की जिम्मेदारी विशाखापत्तनम स्थित नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) ने निभाई।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नए प्रभारी सचिव बने जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह

■ देवेंद्र प्रभार मुक्त, पाढ़ी ओडिशा, नरेश गुजरात संभालेंगे, भाजपा बोली- गुटबाजी का असर





रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस ने संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा बदलाव किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 81 सचिवों की नियुक्ति और जिम्मेदारियों में बदलाव की सूची जारी की है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव भी बदल दिए गए हैं। अब जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले यह जिम्मेदारी विजय जांगिड और एसए संपत कुमार संभाल रहे थे। वहीं, जरिता लैतफ्लांग को छत्तीसगढ़ के प्रभार से मुक्त कर नॉर्थ ईस्ट के राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। इस फेरबदल में छत्तीसगढ़ के नेताओं को भी दूसरे राज्यों की जिम्मेदारी मिली है। कोको पाढ़ी को ओडिशा और नरेश ठाकुर को गुजरात का प्रभार सौंपा गया है। कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने नई नियुक्तियों को लेकर प्रेस रिलीज जारी की है। पार्टी के मुताबिक, सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। इस फेरबदल को भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने कांग्रेस की गुटबाजी का नतीजा बताया है। छत्तीसगढ़ के नेता कोको पाढ़ी को ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रभारी सचिव बनाया गया है। वहीं, नरेश ठाकुर को गुजरात की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस तरह जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह छत्तीसगढ़ में संगठन का काम देखेंगे, जबकि कोको पाढ़ी और नरेश ठाकुर दूसरे राज्यों में पार्टी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत दौरे पर आएंगे

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 22 और 23 नवंबर को भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा मार्च 2026 में पदभार संभालने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 नवंबर को उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों नेता भारत-नेपाल संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा करेंगे और आपसी हित से जुड़े क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों के साथ-साथ मजबूत जन-स्तरीय संपर्क हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार एवं वाणिज्य, विकास साझेदारी, ऊर्जा, जल संसाधन और भौतिक एवं डिजिटल कनेक्टिविटी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग आगे बढ़ा है।



ताजमहल का दौरा करेगा पाक प्रतिनिधिमंडल, एससीओ फोरम में शामिल होने आए हैं भारत

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मलिक में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत आया है। उनके साथ स्ष्ठह्व की डायरेक्टर आयशा मीर भी भारतीय दौरे पर हैं। भारत की मेजबानी में 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में शंघाई सहयोग संगठन के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस फोरम का उद्घाटन करेंगे। इसमें चीन, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, ईरान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान समेत स्ष्ठह्व के सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से दो प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल होने भारत पहुंचे हैं। पूर्व



पाकिस्तानी हाई कमिश्नर तारिक मसूद का नाम भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल था, लेकिन वह भारत नहीं आए। पाकिस्तानी प्रतिनिधियों के 23 नवंबर को स्वदेश लौटने की संभावना है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल आगरा जाकर ताजमहल का दीदार भी करेगा। फोरम में पहुंचे पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक से जब पूछा गया कि क्या इस आयोजन के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में सुधार की उम्मीद है, तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सभी संबंधों में सुधार होगा। साथ ही क्षेत्रीय अस्थिरता और तेजी से बदलते भू-राजनीतिक हालात के बीच व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया।

बीजेपी नेताओं के खिलाफ अभिषेक बनर्जी ने दर्ज कराई 'ज़ीरो एफआईआर'

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी आज कोलकाता के गिरीश पार्क पुलिस स्टेशन में पेश हुए। 31 अक्टूबर को गिरीश पार्क पुलिस स्टेशन में बनर्जी के खिलाफ दर्ज एक नई एफ्आईआर के सिलसिले में वह पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस ने उन्हें 20 नवंबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा था। यह एफ्आईआर उनके द्वारा पुलिस के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर दर्ज कराई गई एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। हालांकि इस दौरान बनर्जी ने बीजेपी नेताओं के खिलाफ भी एक कदम उठाया। बनर्जी ने गिरीश पार्क पुलिस स्टेशन में बीजेपी नेताओं के खिलाफ एक नई 'ज़ीरो एफआईआर' दर्ज कराई है। उनके वकील अर्को नाग ने इस मामले में मीडिया से बात करते हुए कहा, आज अभिषेक बनर्जी ने गिरीश पार्क पुलिस स्टेशन में एक 'ज़ीरो एफआईआर' दर्ज कराई है। इसमें बताया गया है कि पिछले 5-6 सालों में शुभेंदु अधिकारी, दिलीप



घोष और सुकांत मजूमदार ने कई बार पुलिस को चेतावनियाँ दी हैं और मीडिया के सामने ऐसे बयान दिए हैं, जिनमें अभिषेक बनर्जी और सरकार दोनों को निशाना बनाया गया है। इन घटनाओं पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? इस पर कार्रवाई होनी चाहिए और यह ज़ीरो एफआईआर इसी बात को सुनिश्चित करने के लिए दर्ज कराई गई है। अब देखना होगा कि गिरीश पार्क पुलिस अपनी विशेषज्ञता के साथ इसे कैसे संभालती है। उन्होंने अभिषेक बनर्जी से जुड़े मामले में अपनी यह विशेषज्ञता दिखाई है और हमें पूरा भरोसा है कि अभिषेक बनर्जी की इस नई शिकायत के मामले में भी वो वैसी ही विशेषज्ञता दिखाएंगे।

छत्तीसगढ़ में अवैध भंडारण पर धड़ाधड़ कार्रवाई

■ चार अलग-अलग जगहों से 245 क्विंटल धान जब्त

धमतरी (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने तथा अवैध धान के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में धमतरी जिले के नगरी क्षेत्र में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने चार अलग-अलग प्रतिष्ठानों में छापामार कार्रवाई करते हुए 614 कट्टा धान जब्त किया है। जब्त धान की कुल मात्रा 245.60 क्विंटल है। जांच में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है।

जांच दल ने किया औचक निरीक्षण

कलेक्टर के निर्देशानुसार संयुक्त जांच दल ने नगरी क्षेत्र के विभिन्न धान



भंडारण स्थलों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गोदामों में उपलब्ध धान की मात्रा, भंडारण संबंधी दस्तावेजों और अभिलेखों का मिलान किया गया। जांच में निर्धारित नियमों के अनुरूप दस्तावेज नहीं पाए जाने तथा भंडारण संबंधी अनियमितताएं सामने आने पर धान जब्ती की कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जांच दल ने बेलरगांव स्थित भानुराम साहू के गोदाम से 81 कट्टा अर्थात 32.40 क्विंटल धान जब्त किया। इसी प्रकार गट्टासिल्ली स्थित एसके फूड्स मिल के गोदाम से 233 कट्टा यानी 93.20 क्विंटल तथा सफीका धान कुटाई केंद्र के गोदाम से 140 कट्टा अर्थात 56 क्विंटल धान जब्त किया गया। वहीं गेदरा स्थित रजा राइस इंडस्ट्रीज के गोदाम से 160 कट्टा यानी 64 क्विंटल धान जब्त किया गया। इस प्रकार चारों प्रतिष्ठानों से कुल 614 कट्टा धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। जब्त धान को विधिवत संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों की सुपुर्दगी में रखा गया है। कार्रवाई से संबंधित प्रतिष्ठानों में भानुराम साहू, आसिफ मेमन, जावेद मेमन एवं जमीला बानो के नाम शामिल हैं।

धान खरीदी में अनियमितताओं पर रोक लगाने सतत निगरानी जिला प्रशासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण, अनधिकृत परिवहन और बिचौलियों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। धान उपार्जन केंद्रों के साथ-साथ राइस मिलों, गोदामों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में भी जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अनधिकृत धान को समर्थन मूल्य की खरीदी व्यवस्था में खपाने की कोशिशों को रोकना तथा वास्तविक किसानों को शासन की योजना का लाभ सुनिश्चित करना है।

राफेल विमानों की संख्या पर बड़ा विवाद, रिपोर्ट में 36 की जगह 32 जेट का दावा

■ पूर्व आईएएफ उपप्रमुख ने उठाए सवाल



नई दिल्ली। भारत के राफेल लड़ाकू विमानों को लेकर एक नई रिपोर्ट ने रक्षा गलियारों में हलचल मचा दी है। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित विमानन पत्रिका में भारतीय वायुसेना के पास सक्रिय राफेल विमानों की संख्या 36 के बजाय 32 बताई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद सवाल उठने लगे हैं कि आखिर भारत के चार राफेल विमान कहां हैं? हालांकि, भारतीय वायुसेना के पूर्व उपप्रमुख ने इस दावे पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

फ्लाईट ग्लोबल ने एम्ब्रेयर के सहयोग से प्रकाशित अपनी वैश्विक वायुसेना निर्देशिका में भारत के राफेल ष्ठ॥/श्व॥ लड़ाकू विमानों को शामिल किया है। इसमें सक्रिय विमानों की संख्या 32 बताई गई है। गौरतलब है कि भारत ने फ्रांस से कुल 36 राफेल विमान खरीदे थे। इनमें 28 सिंगल-सीट राफेल श्व॥ और 8 ट्विन-सीट राफेल ष्ठ॥ विमान शामिल हैं। ऐसे में रिपोर्ट में चार विमानों की कमी दिखाए जाने से अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

भारतीय वायुसेना के पूर्व उपप्रमुख एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने फ्लाईट ग्लोबल को अपने स्रोतों का दोबारा मूल्यांकन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के कुछ स्रोतों ने पहले विशिष्ट टेल नंबरों का हवाला दिया था।

रायपुर में लंबित ई-चालान से छुटकारा पाने का मौका



रायपुर। लंबे समय से लंबित ट्रैफिक ई-चालान के मामलों के निराकरण के लिए वाहन चालकों और वाहन स्वामियों को एक और मौका मिलने जा रहा है। आगामी 12 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाली लोक अदालत में शहर में जारी किए गए लंबित ई-चालान प्रकरणों का निपटारा किया जाएगा। इसके लिए यातायात पुलिस ने वाहन स्वामियों से पहले ही पंजीयन कराने की अपील की है। यातायात पुलिस के अनुसार, लोक अदालत में 23 जनवरी 2025 से 6 फरवरी 2026 के बीच जारी किए गए लंबित ई-चालान प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, शनिवार 21 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

महिला चेंबर के तत्वावधान में 22 नवंबर को 'स्वावलंबन से उदित-उदया' कार्यक्रम, डॉ. वर्निका शर्मा होंगी मुख्य अतिथि

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी के मार्गदर्शन में महिला चेंबर के तत्वावधान में रविवार, 22 नवंबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे समता कॉलोनी स्थित जी.एस.एस. गर्ल्स हॉस्टल सेमिनार हॉल में एक विशेष प्रेरणादायी एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम ÷श्र.ङ्घ.श्र. ङ्घ श्र×श्रद्यश्रह्वद्ग ङ्घश्रह्वह्व श्रठ्ठद्गह्वह्व4÷ (अपनी ऊर्जा को जानें, अपना भविष्य संवारें) का भव्य आयोजन किया जा रहा है। ÷स्वावलंबन से उदित - उदया (नवचेतना - नव भविष्य)÷ थीम पर आधारित यह कार्यशाला महिलाओं एवं उद्यमियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित होगी।

अतिथि एवं मुख्य वक्ता

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगी। वहीं, मुख्य वक्ता के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर तथा 'भविष्यम वैदिक कॉलेज' एवं 'श्र.ङ्घ.श्र. प्रोग्राम' के संस्थापक डॉ. आशीष पाटनी उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। वे केवल प्रेरणा ही नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने, अपनी क्षमताओं को जगाने और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के व्यावहारिक सूत्र साझा करेंगे।

कार्यशाला के प्रमुख विषय एवं आकर्षण:

कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए पदाधिकारियों ने बताया कि इस कार्यशाला में निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर सरल व व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया जाएगा: आत्म-जागरूकता एवं ऊर्जा: अपनी अंतर्निहित ऊर्जा की पहचान, ध्वनि ऊर्जा एवं सकारात्मक ऊर्जा के रहस्य।

तनाव एवं समय प्रबंधन: आधुनिक जीवनशैली में तनाव प्रबंधन और कार्य-जीवन संतुलन (Work-Life Balance) के प्रभावी उपाय। प्राचीन विज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग: दैनिक जीवन में ज्योतिष, वास्तु, अंकशास्त्र, पंचतत्त्व एवं मंत्र विज्ञान का वैज्ञानिक व व्यावहारिक उपयोग। शून्य-लागत समाधान: व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं व्यावसायिक जीवन की विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सरल एवं शून्य-लागत (Zero-Cost) व्यावहारिक समाधान। नववर्ष संकल्प: नववर्ष 2027 का स्वागत नई सकारात्मक ऊर्जा और स..ष्ट.ष्ट.श्र.स.स. के संकल्प के साथ करने की विशेष तैयारी।

सभी पदाधिकारियों की संयुक्त अपील:

इस आयोजन को सफल बनाने हेतु छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी, प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री निकेश बरडिया, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी श्री जसप्रीत सिंह सलूजा, तथा उपाध्यक्ष श्री लोकेश जैन, श्री दिलीप इसरानी एवं, मंत्री श्री प्रशांत गुप्ता, श्री राजेंद्र पारेख, महिला चेंबर की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता, प्रदेश महामंत्री श्रीमती मनीषा तारवानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती नम्रता अग्रवाल महिला चेंबर के प्रभारी श्री तिलोकचंद बरडीया, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती इंदिरा जैन, सुश्री देवयानी पांडे, महिला मंत्री नीतू नंदवानी रावत, सदस्य श्रीमती सुधा ठाकुर, ने संयुक्त रूप से सभी उद्यमी बेटियों, गृहणियों, महिला चेंबर की समस्त सदस्याओं एवं चेंबर के सभी पदाधिकारियों से कल दोपहर 12:00 बजे कार्यक्रम स्थल पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अनूठे अनुभव का लाभ उठाने की सादर अपील की है।

मातर मेला महोत्सव एवं सामुदायिक भवन भूमिपूजन समारोह में शामिल हुए विधायक दीपेश साहू

यादव (ठेठवार) समाज की परंपरा, संस्कृति और आत्मीयता की विधायक ने की सराहना



बेमेतरा (विश्व परिवार)। ग्राम पिपरभट्ठा में समस्त ठेठवार (यदु) समाज एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में मातर मेला महोत्सव एवं सामुदायिक भवन भूमिपूजन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के संरक्षक श्री रामसिंग यदु ने की।इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया तथा क्षेत्रवासियों को मातर पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज के लोगों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना की।

विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और आपसी भाईचारे से है। मातर तिहार हमारी ग्रामीण संस्कृति और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। यादव (ठेठवार) समाज ने सदैव अपनी परंपराओं, संस्कारों और सामाजिक समरसता को सहेजकर रखा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है।उन्होंने समाज की आत्मीय मेहमाननवाजी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिलता है, जहां कहीं काजू-बादाम तो कहीं अनेक प्रकार के पकवान और खान-पान की सामग्री से अतिथियों का स्वागत किया जाता है। लेकिन यादव समाज के कार्यक्रम में चावल और दूध से बनी खीर को प्रसाद स्वरूप भेंट करने की परंपरा मन को विशेष रूप से छू जाती है। यह केवल एक मिठाई नहीं, बल्कि समाज की सादगी, अपनापन, सात्विकता और अतिथि सत्कार की समृद्ध भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि खीर जैसी पारंपरिक प्रसादी में हमारी मिट्टी की खुशबू और संस्कृति की मिठास समाहित है। यादव समाज की यही सहजता और आत्मीयता उसे विशेष पहचान प्रदान करती है। समाज अपनी परंपराओं को जिस तरह सहेजकर आगे बढ़ा रहा है, वह प्रशंसनीय है। ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत रखते हैं।

विधायक ने सामुदायिक भवन के भूमिपूजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास और जनहित के कार्यों में हरसंभव सयोग का भरोसा भी दिलाया।कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री हरीश साहू, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती नेमिन मोहन वर्मा, सरपंच श्रीमती नंदनी बंजारे, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री गजानंद साहू, ठेठवार समाज के अध्यक्ष श्री जितेंद्र यदु, रेवाराम निषाद, लव कुमार साहू, रोहित साहू, शिव साहू, पूर्व पार्षद, सामाजिक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्राथमिक शाला छरछेद में वीबी-जी राम जी योजना से बना जिले का पहला बालिका शौचालय



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। । जिले के शासकीय स्कूलों में बालिकाओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी स्वच्छता एवं गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की गई है। इसी कड़ी में वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत कसडोल विकासखंड के प्राथमिक शाला छरछेद में जिले का पहला बालिका शौचालय निर्मित कराया गया है। विद्यालय परिसर में बालिका शौचालय की सुविधा मिलने से छात्राओं में खुशी का माहौल है। छात्राओं ने इसे अपने सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक बताया है।विद्यालय के शिक्षकों एवं ग्राम के सरपंच ने बालिकाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शौचालय निर्माण कराने के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को काफी सहूलियत मिलेगी तथा स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।उल्लेखनीय है कि वीबी-जी राम जी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ग्राम पंचायतों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण करना, जल सुरक्षा को सुदृढ़ करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाना है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के विकास को भी बढ़ावा मिल रहा है।

सड़क पर क्लिंकर गिट्टी गिराने वाले न्यू विस्टा लिमिटेड के वाहनों पर कार्रवाई

बलौदाबाजार। ग्राम रिसदा में सड़क पर क्लिंकर गिट्टी गिरने की शिकायत पर परिवहन विभाग ने कार्रवाई की है। इस सम्बन्ध मे संपर्क केन्द्र मे मिली शिकायत पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये थे।18 नवम्बर 2026 को न्यू विस्टा लिमिटेड कंपनी से निकलने वाले वाहनों से सड़क पर क्लिंकर गिट्टी गिरने की समस्या सामने आई थी। इससे सड़क पर आवागमन करने वाले लोगों को परेशानी होने की आशंका जताई गई।प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए परिवहन उड़नदस्ता रायपुर द्वारा न्यू विस्टा लिमिटेड कंपनी के कुल 7 वाहनों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधित वाहनों से कुल 8,200 रुपये की शास्ति वसूल की गई। इसके साथ ही वाहन चालकों एवं संबंधित पक्ष को भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही नहीं करने तथा परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित करने की समझाइश दी गई।

कानन पेण्डारी में कल सजेगी साहित्य की महफिल, पुस्तकों का होगा विमोचन

बिलासपुर। साहित्य, सृजन और शब्दों की अभिव्यक्ति को समर्पित छत्तीसगढ़ कलमकार मंच द्वारा आगामी 22 नवंबर 2026, रविवार को बिलासपुर के कानन पेण्डारी जूलॉजिकल पार्क में पुस्तक विमोचन, काव्य-गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11:30 बजे से आयोजित होगा। इस साहित्यिक आयोजन में प्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों के साहित्यकार, कवि एवं कलमकार शामिल होंगे।कार्यक्रम की शुरुआत साहित्यकारों द्वारा कानन पेण्डारी जूलॉजिकल पार्क के भ्रमण से होगी। इसके पश्चात अतिथियों एवं कलमकारों का स्वागत, भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन तथा साहित्यिक गतिविधियों का शुभारंभ किया जाएगा।इस अवसर पर डॉ. किशन टण्डन क्रान्ति द्वारा संपादित एवं रचित तीन पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा। इनमें राष्ट्रीय साझा संकलन 'सरित् प्रवाह', हिंदी काव्य संग्रह 'कारवाँ' एवं 'तिरंगा' शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 'सरित् प्रवाह' छत्तीसगढ़ कलमकार मंच के तत्वावधान में प्रकाशित 27वीं साहित्यिक कृति है, जिसमें देश के 58 कलमकारों की साहित्यिक रचनाओं को स्थान दिया गया है।58 साहित्यकारों को मिलेगा कलमकार साहित्यमणि सम्मान :- साझा संकलन 'सरित् प्रवाह' में रचनात्मक योगदान देने वाले सभी 58 साहित्यकारों को मंच द्वारा 'कलमकार साहित्यमणि सम्मान-2026' से सम्मानित किया जाएगा। सम्मान स्वरूप प्रत्येक कलमकार को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किया जाएगा। सम्मान समारोह के बाद काव्य-गोष्ठी का आयोजन होगा, जिसमें कवि एवं साहित्यकार अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्यिक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करेंगे।मंच का यह आयोजन साहित्यकारों को एक साझा मंच प्रदान करने, नवोदित एवं वरिष्ठ रचनाकारों को प्रोत्साहित करने तथा हिंदी साहित्य के प्रचार-प्रसार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ कलमकार मंच ने प्रदेश के समस्त साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों से इस आयोजन में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने

कुपोषित एवं जोखिम ग्रस्त बच्चों की पहचान हेतु अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित



बेमेतरा (विश्व परिवार)। जिला पंचायत सभा कक्ष, बेमेतरा में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आगामी वजन त्यौहार 2026 आयोजन तथा संकटग्रस्त नवजात बच्चों की पहचान, रेफरल एवं प्रबंधन के संबंध में अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा की गई। बैठक में जिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी, समस्त विकासखंड अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी 01 दिसंबर से 14 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले वजन त्यौहार की तैयारियों एवं सफल क्रियान्वयन के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।वजन त्यौहार के दौरान बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं का एनीमिया परीक्षण, वजन एवं ठडप् (बॉडी मास इंडेक्स) की जांच कराने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही बच्चों की पोषण स्थिति का आकलन कर गंभीर कुपोषित एवं जोखिमग्रस्त बच्चों की पहचान करने तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं से जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की गई। गंभीर कुपोषित बच्चों, संकटग्रस्त नवजात शिशुओं एवं अन्य जोखिमग्रस्त बच्चों की समय पर पहचान, आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य संस्थाओं में रेफरल तथा उचित उपचार एवं प्रबंधन सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला बेमेतरा, श्रीमती प्रेमलता पदमाकर द्वारा दोनों विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय-सीमा में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने तथा मैदानी स्तर पर गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मितानिन एवं आशा के माध्यम से डब्च् बंतक एवं गृह भ्रमण द्वारा कुपोषित बच्चें की पहचान एवं निगरानी करने के निर्देश दिये गये साथ ही शिशुवती माताओं को निरंतर स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु कांउन्सलिंग के लिए निर्देशित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा, वजन त्यौहार के दौरन आंगनबाड़ी में गर्भवती महिला 0 से 06 वर्ष के बच्चें एवं किशोरी बालिकाओं का वजन करते हुए विभागीय पोषण योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मैदानी अमलों को निर्देशित किया गया। विस्तृत चर्चा उपरांत आगामी कार्ययोजना तैयार की गई, जिससे वजन त्यौहार का सफल आयोजन सुनिश्चित हो तथा बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके।

मोतीलाल साहू ने मोवा में किया मंगल भवन का लोकार्पण





रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर वार्ड क्रमांक-10 रानी लक्ष्मी बाई वार्ड मोवा में विधायक निधि के 10 लाख रुपए की राशि से नवनिर्मित मंगल भवन का लोकार्पण रायपुर ग्रामीण के लोकप्रिय विधायक माननीय मोतीलाल साहू जी के करकमलों से सम्पन्न हुआ।इस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद देवदत्त द्विवेदी जी सहित जोन के जनप्रतिनिधि गण साहू समाज के अध्यक्ष वह पदाधिकारी गण,वार्ड वासी गण उपस्थि रहे मंगल भवन के निर्माण से पूरे मोवा वासियो को काफ़ी प्रसन्नता हुई है।ये मंगल भवन मोवा वासियो के दैनिक जीवन में आने वाले सुख दुख में उपयोग किए जाने में मददगार साबित होगा।

'समावेशी नीति संकल्प' कार्यशाला में शामिल हुईं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से प्राप्त किया मार्गदर्शन

वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान, सामाजिक सशक्तीकरण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर हुआ मंथन



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने 19 नवंबर को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'समावेशी नीति संकल्प' समाज कल्याण मंत्रियों की कार्यशाला में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी से भेंट कर समाज कल्याण एवं वंचित वर्गों के उत्थान से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के समाज कल्याण मंत्रियों ने समाज के वंचित, शोषित एवं कमजोर वर्गों के समग्र उत्थान और सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया। साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों एवं सफल नवाचारों को साझा किया गया, ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँचाया जा सके।

कार्यशाला में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में संचालित 'एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय' एवं 'स्टैंड-अप इंडिया' जैसी महत्वपूर्ण पहलों के माध्यम से शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। इन योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों को भी रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण, कुपोषण मुक्ति, मातृ एवं शिशु कल्याण तथा समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों और योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त मार्गदर्शन एवं विभिन्न राज्यों के अनुभव छत्तीसगढ़ में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करने में उपयोगी सिद्ध होंगे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी के विचारों से समाज के प्रत्येक वंचित एवं जरूरतमंद व्यक्ति तक विकास और कल्याण की योजनाओं का लाभ पहुँचाने के संकल्प को और मजबूती मिलेगी। हमारा लक्ष्य विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।कार्यशाला के दौरान आयोजित विशेष सत्रों एवं रात्रिभोज में भी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सहभागिता की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं श्री गुरु खुशवंत साहेब सहित विभिन्न राज्यों के मंत्रीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /37083/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 20-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37083
वार्ड का नाम-21- शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813C00538** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT CHUGHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. LAXMAN CHUGANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT YACHANA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANUJ KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /37005/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 19-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37005
वार्ड का नाम-07- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 07 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226F00070** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR SHUKLA (HUF)** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARIBHUSHAN SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. वर्षा देवी ध्रुव, 2 सुमन सिंह** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. राधेश्याम ध्रुव, 2ऋषिकेश्वर राज सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **विक्रय इकरारनामा, टैक्स रसीद** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./37085/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 20-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37085
वार्ड का नाम-36 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738C00137** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GANESH MAHESH KUMAR, RAMKUMAR, GENDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHARAM VISHWAKARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सन्नी विश्वकर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. गणेश विश्वकर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, बंटवारानामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, शनिवार 21 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने वन यूआई 9.5 बीटा प्रोग्राम शुरू किया

नईदिल्ली। सैमसंग ने अपना वन यूआई 9.5 बीटा प्रोग्राम शुरू कर दिया है। इससे यूजर्स को आधिकारिक लॉन्च से पहले वन यूआई 9.5 की शुरुआती झलक देखने को मिल रही है। वन यूआई 9.5 बीटा में पहले से ज्यादा सटीक कैमरा कंट्रोल्स, सेहत से जुड़ी पर्सनलाइज्ड जानकारी, बेहतर एक्सेसिबिलिटी फीचर्स और रोजमर्रा के इस्तेमाल में प्राइवेसी के लिए ज्यादा मजबूत सुरक्षा दी गई है। प्रो और प्रो वीडियो मोड को और बेहतर बनाया गया है, जिससे क्रिएटर्स के हाथ में ज्यादा बारीक सेटिंग्स आ गई हैं। सैमसंग हेल्थ भी अब ज्यादा पर्सनल हो गया है। इसमें डायरी लिखने के लिए माइंड नोट और दवा के रिमाइंडर व रिकॉर्ड के लिए मेडिकेशन्स जैसे फीचर्स जुड़े हैं। फ्लोटिंग शॉर्टकट्स जरूरी कंट्रोल्स को हाथ की पहुंच में रखते हैं। नोटिफिक्रेशन पैनल में हियरिंग एड कंट्रोल्स के सुधार से गैलेक्सी डिवाइस का इस्तेमाल सबके लिए और आसान हुआ है। वहीं ऐप लॉक अलग-अलग ऐप्स को लॉक करके रोजमर्रा के इस्तेमाल को ज्यादा सुरक्षित बनाता है। वन यूआई 9.5 बीटा प्रोग्राम आज से जर्मनी, भारत, कोरिया, पोलैंड, यूके और अमेरिका सहित चुनिंदा देशों में गैलेक्सी स्26 सीरीज के यूजर्स के लिए शुरू हो गया है। योग्य यूजर्स सैमसंग मेम्बर्स ऐप के जरिए इस बीटा प्रोग्राम में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं।



धान के अवैध भंडारण और परिवहन पर प्रशासन सख्त, धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण ; सालर में 98 कट्टा धान जब्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़,। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निगरानी एवं जांच की जा रही है। समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में बिलाईगढ़ एसडीएम शिक्षा शर्मा के मार्गदर्शन में तहसीलदार भटगांव प्रकाश पटेल ने आज साहू ट्रेडर्स, अंतरजिला चेकपोस्ट सलिहा घाट तथा सलिहा घाट धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए खरीदी और निगरानी व्यवस्था पर सतर्कता बरतने को कहा। जिले में धान के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए कुल 21 चेकपोस्ट बनाए गए हैं। इनमें 11 अंतरराज्यीय और 10 अंतरजिला चेकपोस्ट शामिल हैं। जिले में 80 समितियों के अंतर्गत 95 धान खरीदी केंद्र संचालित हैं। चेकपोस्ट और खरीदी केंद्रों के माध्यम से धान के आवागमन एवं खरीदी व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में सालर में एसडीएम द्वारा धान के अवैध भंडारण की जांच की गई। जांच के दौरान 98 कट्टा धान जब्त किया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से धान का भंडारण या परिवहन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नवागढ़ गुरुनानक जयंती पर प्रभातफेरी में उमड़ रही श्रद्धा, नगर कीर्तन और विशाल लंगर की तैयारी



नवागढ़। गगुरुनानक जयंती के पावन अवसर पर सिक्ख समाज द्वारा प्रतिदिन सुबह 5 बजे प्रभातफेरी का आयोजन किया जा रहा है। प्रभातफेरी में सिक्ख समाज के साथ-साथ अन्य समाज के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। समाज द्वारा 21 नवंबर तक प्रभातफेरी निकाली जाएगी। सुबह की शांत बेला में गुरबाणी, शब्द-कीर्तन और जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय हो उठता है। प्रभातफेरी नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती है, जहां श्रद्धालु पुष्प वर्षा कर स्वागत करते हैं। कार्यक्रम की श्रृंखला में 21 नवंबर को दोपहर 3 बजे भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। नगर कीर्तन में पंज प्यारे, गतका दल और कीर्तनी जत्थे आकर्षण का केंद्र रहेंगे।वहीं 24 नवंबर को गुरुनानक जयंती के अवसर पर विशाल लंगर का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी समाज के लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। समाज के अध्यक्ष ने नगरवासियों से सभी कार्यक्रमों में शामिल होकर गुरु के आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' × 'डॉ. आरंभी' महासंगम : जब आरंभी बनती है मन्नत की रक्षक और नाकाम कर देती है एक खौफनाक चोरी की साजिश

भारत के पसंदीदा पारिवारिक ड्रामा एक खास महासंगम के लिए एक साथ आ रहे हैं, जो जश्न, ड्रामा, अप्रत्याशित मोड़ों और एकजुटता के दमदार पल से भरपूर होने वाला है! कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' और 'डॉ. आरंभी' एक खास क्रॉसओवर एपिसोड में साथ आ रहे हैं, जहाँ एक उत्सव का मौका धोखे की जंग में बदल जाता है और जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है, तब एक अप्रत्याशित साथी मदद के लिए सामने आता है। आरंभी (ऐश्वर्या खरे), ध्रुव (अर्जित तनेजा) और मन्नत जुनेजा (तन्वी डोगरा) को एक साथ लाने वाला यह खास महासंगम एक ऐसे जश्न का वादा करता है, जो एक अप्रत्याशित मोड़ ले लेता है। तनिषा और करण की सगाई के मौके पर जश्न की शुरुआत ओबेरॉय हाउस में होती है, जहाँ आरंभी और ध्रुव, मन्नत और उसके परिवार के साथ इस खुशी में शामिल होते हैं। आरंभी और ध्रुव, मन्नत और कबीर, तथा पूरे परिवार की शानदार डांस प्रस्तुतियों से शाम में रंग जम जाता है, जिससे यह रात संगीत, हँसी और साथ होने की खुशी से भर उठती है। लेकिन जश्न के बीच, आरंभी देखती है कि सारिका की बहन अनीता चुपके से एक बेशकीमती पैतृक हार जॉली के बैग में रख रही है। जूनेजा परिवार को चोरी के झूठे आरोप में फँसाकर उन्हें अपमानित करने की उसकी साजिश को भाँपते हुए, आरंभी सही समय पर कदम उठाती है, हार वापस ले लेती है और बड़ी चतुराई से उसे सारिका के बैग में रख देती है, जिससे अनीता की योजना नाकाम हो जाती है। मन्नत और उसके परिवार की रक्षा के लिए आगे आकर, आरंभी उनकी अप्रत्याशित रक्षक बनकर उभरती है, यह साबित करते हुए कि कई बार किसी के लिए खड़े होने के लिए सिर्फहिम्मत की ज़रूरत होती है। लेकिन अब जबकि हार सारिका के बैग में पहुँच चुका है, क्या आरंभी की सूझबूझ जूनेजा परिवार को बचा पाएगी, या फिर वह आरोपों और ड्रामे का एक नया तूफ़ान खड़ा करने वाली है? आरंभी का किरदार निभा रहीं ऐश्वर्या खरे ने साझा किया, यह महासंगम बेहद खास है क्योंकि यह दो ऐसी महिलाओं को एक साथ लाता है, जो पूरी तरह अलगअलग दुनियाओं से आती हैं, लेकिन उनकी यात्राओं को उनकी ताकत, संवेदनशीलता और सही के लिए खड़े होने की प्रवृत्ति एकदूसरे से जोड़ती है। आरंभी हमेशा से लोगों के लिए आवाज़ उठाने में विश्वास रखती है और जब उसे एहसास होता है कि मन्नत और उसके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है, तो वह उनकी मदद के लिए आगे आने में एक पल की भी देर नहीं करती।

मेहनत और लगन से साग-सब्जी उत्पादन को बनाया सफल व्यवसाय, छबीला सेठिया ने कमाए 3 लाख रुपए

बिहान दीदी की उन्नत खेती बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल, मचान पद्धति और वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर बढ़ाई आमदनी



जगदलपुर/ बस्तर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं अब पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़कर खेती-किसानी को भी सफल व्यवसाय का रूप दे रही हैं। मेहनत, लगन और नई तकनीकों को अपनाकर महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दे रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी बस्तर जिले के जनपद पंचायत बास्तानार अंतर्गत ग्राम पंचायत कोड़ेनार की श्रीमती छबीला सेठिया की है, जिन्होंने साग-सब्जी की उन्नत खेती को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। अपनी मेहनत के दम पर वे अब तक लगभग 3 लाख रुपए की आमदनी अर्जित कर चुकी हैं।

समूह से जुड़कर बदली आजीविका की राह- श्रीमती छबीला सेठिया वर्ष 2017 से स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। पहले वे घर में पशुपालन और सीमित जमीन पर पारंपरिक खेती करती थीं। इससे परिवार की जरूरतें तो पूरी होती थीं, लेकिन आमदनी बढ़ाने के अवसर सीमित थे। इसी बीच उन्हें कृषि आधारित प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जिसने उन्हें खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाने की प्रेरणा दी। प्रशिक्षण से मिली जानकारी और आत्मविश्वास के साथ उन्होंने वर्ष 2024 में अपनी जमीन पर व्यवस्थित रूप से व्यावसायिक साग-सब्जी उत्पादन शुरू किया।

आर्थिक सहयोग से मिली नई उड़ान- खेती के इस नए सफर में स्व-सहायता समूह और बैंक से मिले वित्तीय सहयोग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रीमती छबीला सेठिया को जिला सहकारी बैंक से एक लाख रुपए, बैंक लिंकेज के माध्यम से 50 हजार रुपए तथा वर्ष 2026 में ग्रामीण बैंक कोड़ेनार से स्वयं सिद्धा योजना के तहत एक लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहयोग का उपयोग उन्होंने खेती की गतिविधियों को विस्तार देने और उत्पादन की बेहतर व्यवस्था विकसित करने में किया।

उन्होंने पारंपरिक तरीके से खेती करने के बजाय मचान पद्धति, बांस की स्टिक सहित अन्य उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाया। इससे सब्जियों की खेती को अधिक व्यवस्थित बनाने और उपलब्ध भूमि का बेहतर उपयोग करने में मदद मिली।

तीन लाख रुपए की आमदनी से परिवार को मिला आर्थिक संबल- लगन एवं मेहनत, नियमित देखभाल और बेहतर कृषि पद्धतियों के परिणामस्वरूप श्रीमती छबीला सेठिया को अब तक लगभग तीन लाख रुपए की आमदनी प्राप्त हो चुकी है। उनकी यह सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम भी है। वर्तमान में भी उनका साग-सब्जी उत्पादन का कार्य निरंतर जारी है और वे इसे और आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

खेत से बाजार तक खुद संभाल रहीं जिम्मेदारी- छबीला सेठिया की सफलता की एक खास बात यह भी है कि वे अपनी मेहनत से उगाई गई साग-सब्जियों को स्थानीय बाजार में स्वयं दुकान लगाकर सीधे उपभोक्ताओं को बेचती हैं। इससे उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है और बिचौलियों पर निर्भरता भी कम हुई है। उत्पादन से लेकर बिक्री तक की जिम्मेदारी स्वयं संभालकर उन्होंने खेती को एक व्यवस्थित व्यवसाय का रूप दिया है। श्रीमती छबीला सेठिया की यह सफलता बताती है कि यदि महिलाओं को सही प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और आगे बढ़ने का अवसर मिले, तो वे सीमित संसाधनों में भी बेहतर आजीविका का सृजन कर सकती हैं। बिहान योजना से मिली प्रेरणा और सहयोग ने उनके पारंपरिक खेती के अनुभव को एक सफल उद्यम में बदलने का अवसर दिया है। आज छबीला सेठिया की मेहनत और उपलब्धि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही है। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि आत्मविश्वास, मेहनत और नई तकनीकों को अपनाकर खेती-किसानी को भी आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI), जनरल इंश्योरेंस काउंसिल एवं इफको-टोकिओ जनरल इंश्योरेंस कंपनी के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल में शिकायत निवारण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ



भोपाल: भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (IRDAI) द्वारा मध्य प्रदेश राज्य के लिए नामित लीड इंश्योरर इफ्को-टोकिओ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने जनरल इंश्योरेंस काउंसिल की ओर से 18 नवंबर 2026 को भोपाल, मध्य प्रदेश में शिकायत निवारण शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह शिविर IRDAI की नवंबर 2026 में आयोजित की जा रही 'शिकायत समाधान माह' (Grievance Resolution Month) पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य पॉलिसीधारकों की लंबित शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा बीमा क्षेत्र में विश्वास को और अधिक मजबूत करना है। इस पहल की थीम है - शिकायतों का समाधान करें, विश्वास बहाल करें और भरोसे को मजबूत बनाएं। इस शिविर में जनरल इंश्योरेंस, लाइफ इंश्योरेंस एवं हेल्थ इंश्योरेंस क्षेत्र की 47 बीमा कंपनियों ने सहभागिता की। शिविर के दौरान बीमा शिकायतों एवं विवादों का मौके पर ही सफलतापूर्वक समाधान किया गया। इसके साथ ही 3 करोड़ रुपये से अधिक के बीमा दावों/शिकायतों का चेक वितरण भी किया गया। इस अवसर पर IRDAI के पीपीजीआर विभाग के महाप्रबंधक श्री ए.वी. राव, IRDAI के श्री नीलेश गुप्ता, बीमा लोकपाल श्री अजय कुमार, बीमा लोकपाल की उप सचिव सुश्री नीरा आप्टे, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सहायक सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, इफ्को-टोकिओ जनरल इंश्योरेंस कंपनी के कार्यकारी निदेशक श्री अमित जैन, उपाध्यक्ष श्री शुभम जैन, इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के श्री अमित शर्मा, जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के महासचिव के सलाहकार एवं कार्यकारी सहायक श्री हरिशंकर मेनन, काउंसिल ऑफओम्बड्समैन के श्री हेमंत एस कामत एवं श्री विनय हल्दीपुर सहित IRDAI के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल सक्ती में सीएमएचओ पूजा अग्रवाल का औचक निरीक्षण



सक्ती। जिला अस्पताल सक्ती में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लेने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डीपीएम कीर्ति बड़ा एवं सीएस डॉ. रविंद्र सिदार भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. पूजा अग्रवाल ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, परिसर की साफ-सफाई, स्वच्छता व्यवस्था, मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिला अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। अस्पताल परिसर एवं वार्डों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा मरीजों को शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

जगदलपुर के दलपत सागर रानी घाट में चोरी की वारदात, आठों दुकानों के ताले टूटे ; निगम का सीसीटीवी कैमरा भी मिला बंद





जगदलपुर। शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दलपत सागर स्थित रानी घाट में बीती रात चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने यहां संचालित सभी आठ दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद क्षेत्र के दुकानदारों में चिंता और आक्रोश का माहौल है।

विशेष रूप से नगर निगम द्वारा लगाए गए निगरानी कैमरे का बंद होना भी कई सवाल खड़े कर रहा है। यदि कैमरे चालू होते, तो संभवत: चोरी की वारदात से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते थे।

शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल पर इस प्रकार की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों तक कब पहुंचती है और नगर निगम बंद पड़े निगरानी कैमरों को चालू कराने के लिए क्या कदम उठाता है।

सवाल यह है कि जब शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल पर स्थित आठ दुकानों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का जिम्मा कौन उठाएगा?

तीन दिन मे 1314 किसानों से 3785 मीट्रिक टन धान खरीदी

बलौदा बाजार। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 मे 15 नवम्बर 2026 से शुरू हुए समर्थन मूल्य मे धान खरीदी महाभियान अंतर्गत जिले मे 17 नवम्बर तक 1314 किसानों से 3785 मीट्रिक टन धान खरीदी हुई है। इसमें सिमगा अनुविभाग के उपार्जन केंद्रों मे सर्वाधिक 14194 क्विंटल की खरीदी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 से 17 नवम्बर 2026 तक राजस्व अनुविभाग सिमगा के 34 उपार्जन केंद्रों मे 14194 क्विंटल,अनुविभाग भाटापारा के 27 उपार्जन केंद्रों मे 13817 क्विंटल,अनुविभाग पलारी के 35 उपार्जन केंद्रों मे 4970 क्विंटल, अनुविभाग बलौदाबाजार के 20 उपार्जन केंद्रों मे 2737 क्विंटल एवं अनुविभाग कसडोल के 23 उपार्जन केंद्रों मे 2131 क्विंटल धान खरीदी हुई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन मे जिले मे धान खरीदी की व्यापक तैयारी की गई है। इस वर्ष जिले के 181उपार्जन केंद्रों मे धान खरीदी की जा रही है।

विश्व शौचालय दिवस पर ग्राम पंचायत चित्रकोट में स्वच्छता की अलख

ग्रामीणों ने लिया चार रंगों के डस्टबिन अपनाने का संकल्प



जगदलपुर/ विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर गुरुवार 19 नवम्बर को विकास खंड लोहंडीगुड़ा की ग्राम पंचायत चित्रकोट में विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और कचरा प्रबंधन की आधुनिक आदतों को व्यवहार में लाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को खुले में शौच से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए शौचालय के नियमित एवं अनिवार्य उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए 4 प्रकार के अलग-अलग रंगों के डस्टबिन के सही उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि गीले, सूखे और अन्य अपशिष्ट का पृथक्करण घर के स्तर पर ही सुनिश्चित हो सके।

इस जागरूकता अभियान में ग्राम पंचायत के पंचगण, पंचायत सचिव, स्वच्छाग्राही, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की टीम तथा बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं और ग्रामीण नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। सभी उपस्थित जनों ने अपने घर और गांव को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई।

बस्तर में बनेगा आधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट!

979 एकड़ जमीन की तलाश शुरू, हवाई कनेक्टिविटी को मिलेगी नई उड़ान



जगदलपुर। बस्तर की हवाई कनेक्टिविटी को विस्तार देने की दिशा में बड़ी पहल शुरू हो गई है। बस्तर में आधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित करने के लिए जिला प्रशासन ने उपयुक्त जमीन की तलाश शुरू कर दी है। इसके लिए शासन स्तर से निर्देश जारी किए गए हैं। प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए करीब 979 एकड़ जमीन की जरूरत होगी।

विमानन संचालनालय, नवा रायपुर द्वारा जारी निर्देशों के तहत बस्तर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए संभावित स्थलों का चिन्हांकन किया जा रहा है। भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय की पहल पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) चिन्हित स्थलों का नि:शुल्क पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन और ऑब्स्टेकल लिमिटेशन सरफेस (OLS) सर्वे करेगा। इसके लिए जिला प्रशासन से जमीन से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी गई है। प्रशासन को संभावित स्थल का ग्राम, तहसील, निकटतम शहर से दूरी, कुल रकबा, खसरा नंबर, भू-अभिलेख, नक्शा और जीपीएस लोकेशन सहित विस्तृत रिपोर्ट तैयार करनी होगी। साथ ही यह भी बताना होगा कि जमीन शासकीय, निजी, वन अथवा राजस्व भूमि है। जमीन अतिक्रमण, विवाद और निर्माण से मुक्त होनी चाहिए। सिर्फ जमीन की उपलब्धता ही नहीं, बल्कि एयरपोर्ट के लिए तकनीकी मानकों का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए 396 हेक्टेयर यानी लगभग 979 एकड़ भूमि निर्धारित की गई है। इसमें 2400 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे बनाया जाना प्रस्तावित है। रनवे के आसपास सुरक्षा मानकों के अनुरूप पर्याप्त खुली जमीन और दोनों सिरों पर कम से कम 1000-1000 मीटर खाली क्षेत्र होना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा आसपास पहाड़ियां, ऊंची इमारतें, मोबाइल टावर और हाईटेंशन बिजली लाइन जैसी संभावित बाधाओं का भी आकलन किया जाएगा। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग, रेल कनेक्टिविटी, बिजली और पानी की उपलब्धता को भी रिपोर्ट में शामिल करना होगा।

सर्वे और भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही एयरपोर्ट निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई होगी। यदि यह प्रस्ताव धरातल पर उतरता है तो बस्तर के लिए हवाई संपर्क के नए रास्ते खुल सकते हैं। इससे पर्यटन, व्यापार, उद्योग और निवेश को बढ़ावा मिलने के साथ ही बस्तर को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 21 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का क्या होगा ?

साइड-लाइन में समिट

अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी है। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं तो कुछ घंटे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। आखिरकार क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डॉयलॉग (क्वॉड) का शिखर सम्मेलन होने की संभावना उज्ज्वल हुई। लेकिन ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि आखिरकार डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने फिर इस मंच की अहमियत समझ ली हो। अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं और उसके बाद एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में हिस्सेदारी के लिए चीन के शेनझेन जाएंगे। इस बीच मनीला में कुछ घंटे वे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। इस कार्यक्रम सूची से बतौर राष्ट्रपति दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की प्राथमिकताओं का अंदाजा लग जाता है। फिलपीन्स की राजधानी में क्वॉड की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक के जिस एजेंडे की चर्चा मीडिया में है, वह भी अमेरिकी निगाह में इस मंच के महत्त्व को जाहिर करता है। बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ क्वॉड शिखर बैठक में रेयरअर्थ सहित अन्य महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला निर्मित करने, समुद्री सुरक्षा एवं व्यापारिक जहाजों के जल-मार्ग को सुरक्षित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। लेकिन इसमें चीन से संबंधित विवाद गायब हैं, जबकि क्वॉड जब बना था, तो उसका मकसद चीन को घेरना ही माना जाता था। दशक भर पहले वह वो दौर था, जब अमेरिका ने चीन की ताकत को नियंत्रित करने के मकसद के तहत ही इंडो-पैसिफिक की रणनीति अपनाई थी। अब वह एशिया प्रशांत की शब्दावली की तरफ लौट चुका है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए ट्रंप शी जिनपिंग के अमेरिका और चीन के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक स्थिरता के संबंध का फॉर्मूला स्वीकार कर चुके हैं। ऐसे में क्वॉड की उपयोगिता पर स्वाभाविक प्रश्न-चिह्न खड़े हुए हैं। फिलहाल, जब राष्ट्रपति बनने के पौने दो साल बाद जब ट्रंप ने क्वॉड के लिए कुछ घंटे निकाले हैं, तो उनके प्रशासन ने आश्वासन देने की कोशिश की है कि क्वॉड लाइफ- सपोर्ट पर नहीं है, और इस मंच के तहत अपने सहयोगी देशों के साथ अमेरिका ने विचार-विमर्श करना जारी रखा है।

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का मामला उलझता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं कि एक करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम कट गए हैं। उनके हिसाब से ये जेनुइन मतदाता हैं। उनका यह भी कहना है कि 66 लाख तो ऐसे मतदाताओं के नाम कटे हैं, जिनका नाम स्थानीय निकाय चुनावों की मतदाता सूची में है। मुख्यमंत्री यह भी कह रहे हैं कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, आवास योजना, किसान सम्मान निधि आदि का लाभ ले रहे 55 लाख लाभार्थियों के नाम कट गए हैं। जिन लोगों के नाम कटे हैं उनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे विवाद पर एसआईआर विरोधी पूरा गिरोह खामोश हो गया है। कोई शोर नहीं मचा रहा है। कोई अदालत नहीं जा रहा है। किसी को चिंता नहीं है कि इतने लोगों के नाम काट कर चुनाव कैसे होंगे। चुनाव टालने के लिए कोई अदालत भी नहीं जा रहा है। एसआईआर समर्थक और विरोधी गिरोह की बात छोड़ें तब भी यह क्लासिकल केस है चुनाव आयोग के एसआईआर अभियान की विफलता का। असल में आयोग ने बर्डेन ऑफ प्रूफ आम आदमी पर डाल दिया है। कायदे से यह सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह हर योग्य व्यक्ति को मतदाता बनाए। लेकिन यहां चुनाव आयोग ने लोगों पर जिम्मेदारी डाल दी है कि वे सारे दस्तावेज जुटा कर, फॉर्म भर कर, तस्वीर लेकर आएं और मतदाता बनें। तभी देश की वयस्क आबादी के मुकाबले मतदाताओं की संख्या पांच फीसदी से ज्यादा कम हो गई। उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा और बड़ा है।उत्तर प्रदेश के एसआईआर का मामला ज्यादा ववाद में इसलिए घिरा है क्योंकि 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई मतदाता सूची के मुकाबले दो करोड़ चार लाख नाम कट गए। लेकिन एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची का मिलान अगर पंचायतों और नगर निकायों में इस्तेमाल हुई मतदाता सूची से करें तो इसमें 3.38 करोड़ मतदाता कम हो जाते हैं। यूपी में पिछले पंचायत चुनाव में 12.58 करोड़ मतदाता दर्ज थे। इन ग्रामीण इलाकों में एसआईआर के बाद 10.20 करोड़ मतदाता बचे



हैं यानी 2.38 करोड़ मतदाता कम हो गए हैं। ऐसे ही शहरी निकाय चुनावों की मतदाता सूची में 4.32 करोड़ मतदाता थे, जहां अब 3.31 करोड़ मतदाता बचे हैं। यानी शहरी इलाकों में एक करोड़ मतदाता कम हो गए। पंचायत और शहरी निकाय के कुल मतदाता मतदाता 16.90 करोड़ हैं, जबकि एसआईआर के बाद यूपी में कुल मतदाता 13.52 करोड़ बचे हैं। इस तरह आंकड़ा 3.38 करोड़ कम हो जाता है। ध्यान रहे पंचायत व स्थानीय निकायों की मतदाता सूची प्रदेश चुनाव आयोग तैयार कराता है, जबकि विधानसभा और लोकसभा के लिए मतदाता सूची केंद्रीय चुनाव आयोग तैयार कराता है। इसमें इतना बड़ा अंतर चिंता की बात है। बहरहाल, नाम 2.04 करोड़ कम हुए हैं या 3.38 करोड़ कम हुए हैं, बड़ा सवाल तो यह है कि क्या इनके मामले में स्पष्टता लाए बगैर विधानसभा चुनाव होगा? ये आंकड़े चुनाव की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पवित्रता पर बड़ा सवाल खड़ा करते हैं। अगर केंद्रीय चुनाव आयोग का आंकड़ा सही है तो इसका मतलब है कि पंचायत व शहरी निकायों में भारी संख्या में फर्जी मतदाता जोड़े जाते हैं और उनके नाम पर बोगस वोटिंग होती है। इसलिए चुनाव से पहले इस मामले में स्पष्टता लाने की बहुत जरुरत है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 27 लाख से कुछ ज्यादा लोगों के नाम तार्किक विसंगति के आधार पर काटे गए थे और यह मामला अदालत पहुंचा था तब सुप्रीम कोर्ट के एक माननीय जज ने कहा था कि नाम कट गया तो कोई बात नहीं, एक बार वोट नही डालेंगे तो कुछ नहीं होगा, अगली बार वोट डाल देना। क्या यही बात उत्तर प्रदेश के बारे में भी कही जा सकती है? यह काल्पनिक सवाल है लेकिन अगर मामला अदालत में पहुंचता है और बात आती है कि फरवरी में चुनाव होने है और उससे पहले इतने कम समय में कैसे इतने लोगों के नाम जुड़ेंगे तब क्या अदालत कह सकती है कि कोई बात नहीं, अगली बार वोट डाल देना? ध्यान रहे यहां आंकड़ों में कोई स्पष्टता नहीं दिखाई दे रही है। असल में कितने नाम कटे हैं यह स्पष्ट नहीं है। जो नाम कटे हैं उसमें 'एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड एंड डुप्लीकेट' श्रेणी में कितने नाम कटे हैं और कितने जेनुइन मतदाताओं के नाम कटे हैं यह भी स्पष्ट नहीं है। अगर मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि एक करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम कटे हैं तो इसका अर्थ है कि बाकी नाम गैर हिंदुओं के हैं। क्या ये नाम मुसलमानों के हैं? लेकिन दूसरी ओर मुख्यमंत्री यह भी कह रहे हैं कि मुसलमानों के वोट 1.63 फीसदी बढ़ गए हैं। फिर हिंदुओं के अलावा जो नाम कटे हैं वो किसके हैं? इस पूरे प्रकरण में हैरान करने वाली बात यह है कि पता नहीं क्यों योगी आदित्यनाथ के अलावा कोई और नेता चिंतित नहीं दिख रहा है। जिस स्केल पर लोगों के नाम कटे होने की बात कही जा रही है उसे देख कर तो लगता है कि भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं को सक्रिय हो जाना चाहिए। अमित शाह अगर यूपी के चुनाव की कमान संभाल रहे हैं तो उनको भी पार्टी नेताओं को निर्देश देना चाहिए कि रात दिन एक करके लोगों के नाम जुड़वाएं। लेकिन वहां कोई बेचैनी नहीं दिख रही है। इससे तो यही लगता है कि या तो यह कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है या कोई वैकल्पिक व्यवस्था है। तभी यह सवाल भी उठता है कि क्या यह किसी नैरेटिव का पार्ट है? क्या इस आंकड़े के जरिए भाजपा विपक्ष के इस प्रचार को ध्वस्त करना चाहती है कि मुसलमानों के ज्यादा वोट काटे जा रहे हैं? ये सवाल इसलिए हैं क्योंकि कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम के लोग कहते रहे हैं कि हर जगह उनके समर्थकों के नाम काटे जा रहे हैं। यह आरोप लगता रहा है कि केंद्रीकृत तरीके से भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से विपक्ष के समर्थक वर्ग के वोट काटे जा रहे हैं। इसके समानांतर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यह नैरेटिव बनाया है कि भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे 55 लाख हिंदुओं सहित एक करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम कटे हैं। इससे तो चुनाव आयोग की निष्पक्षता स्थापित होती है। यह संदेश जाता है कि उसने जाति या धर्म या राजनीतिक रूझान के आधार पर नाम नहीं काटे हैं। बहरहाल, नैरेटिव से अलग इस मामले को वस्तुनिष्ठ तरीके से देखने की जरुरत है। भाजपा अगर स्पष्टता नहीं लाती है तो चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि क्या हकीकत है। क्या सचमुच इतनी बड़ी संख्या में जेनुइन मतदाताओं के नाम कटे हैं? क्या सचमुच सारे दस्तावेज होने के बावजूद महिलाओं के नाम मतदाता सूची से कटे हैं या नहीं शामिल हो पा रहे हैं? महिलाएं कैमरे पर आकर बता रही हैं कि शादी के बाद अपनी ससुराल में उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ, जबकि मायके में उनका नाम कट गया। चुनाव आयोग को 'एक देश, एक चुनाव' की तैयारी कर रहा है और उसके साथ ही 'एक देश, एक मतदाता सूची' का मामला भी जुड़ा है। आयोग को यह काम भी करना है। लेकिन अगर पंचायत की मतदाता सूची में शामिल करोड़ों नाम एसआईआर के बाद की मतदाता सूची में नहीं हैं तब भी चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि क्या पंचायत सूची में फर्जी नाम थे या वो नाम सही थे और अब चुनाव आयोग के नकारेपन की वजह से नाम कट गए हैं?

आलेख

युवा राजनीति से भरोसा खो रहे हैं?

शरुति व्यास

समय विरोध और असंतोष का है। दिल्ली और मुंबई में बेचैनी है तो यूरोप भी असंतोष की शरद ऋतु से गुजर रहा है। पेरिस में गुस्सा सुलग रहा है। जर्मनी के हैम्बर्ग में बैरिकेड जल रहे हैं। मिलान और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़पें हैं। अल्बानिया और बेलग्रेड से लेकर केन्या और तुर्की तक युवा सड़कों पर हैं। दक्षिण एशिया में तो जनता के गुस्से ने सरकारें तक गिराई हैं। देश अलग हैं। समस्याएं अलग हैं। मगर सब जगह एक जैसी बेचैनी है। जिस पीढ़ी को अपने माता-पिता से बेहतर जीवन मिलने की उम्मीद थी, वह अब उन्हीं सत्ताधारियों से जवाब मांग रही है जिन्होंने उसे अच्छे दिनों के सपने दिखाए थे। सत्ता की प्रतिक्रिया में कुछ नया नहीं है। सरकारें अव्यवस्था की निंदा करती हैं। टेलीविजन स्टूडियो साजिशें खोजते हैं। और हमेशा की तरह विदेशी हाथ भी बता दिया जाता है। खबरों में जलते बैरिकेड हैं। पुलिस से भिड़ते प्रदर्शनकारी हैं। युवाओं को पकड़कर पुलिस वैन में ठूंसने के दृश्य हैं। मगर यह जानने की फिक्र किसे है कि आखिर ये युवा सड़कों पर उतरे क्यों हैं? उनका गुस्सा किस बात पर है? वे किससे और क्या मांग रहे हैं? विचित्र विरोधाभास है। वर्षों तक युवाओं को राजनीति से उदासीन बताया गया। कहा गया कि वे मोबाइल की स्क्रीन में खोए हैं। घोषणापत्रों से अधिक मीमों में उनकी दिलचस्पी है। लेकिन अब जब उसी पीढ़ी ने स्क्रीन का इस्तेमाल संगठित होने, सवाल पूछने और सत्ता को चुनौती देने के लिए शुरू किया है तो उसकी राजनीतिक जागरूकता ही चिंता का कारण बन गई है। युवा राजनीति से दूर रहें तो शिकायत और राजनीति में उतरें तो साजिश! दरअसल, जवाब उन वादों में है जिन्हें सुनते हुए यह पीढ़ी बड़ी हुई। पढ़ाई से अवसर मिलेंगे। आर्थिक विकास से समृद्धि आएगी। तकनीक जीवन आसान बनाएगी। जेन ज़ी को विश्वास दिलाया गया कि उसका भविष्य पिछली पीढ़ी से बेहतर होगा। सरकारों ने उसकी आकांक्षाओं का उत्सव मनाया। कंपनियों ने उसमें विशाल बाजार खोजा और राजनेताओं ने उसकी भाषा बोलना सीख लिया। मगर बड़े होने पर युवाओं ने क्या पाया? शिक्षा महंगी है, नौकरी अनिश्चित है। घर खरीदना मुश्किल है। करियर का भरोसा नहीं और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन पेशों का भविष्य भी बदल रहा है जिनके लिए उन्होंने वर्षों पढ़ाई की। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। शेयर बाजार रिकॉर्ड बना रहे हैं। लेकिन देश की समृद्धि और नौजवान की अपनी आर्थिक सुरक्षा के बीच फासला क्यों बढ़ रहा है? इसमें तकनीक ने एक नई विडंबना पैदा की है। अमीरी, ऐश्वर्य और अच्छे जीवन की तस्वीरें हर समय मोबाइल पर हैं। सब कुछ दिखाई देता है, लेकिन सबकी पहुंच में नहीं है। शायद इसीलिए वह पीढ़ी भी पुराने समय का आकर्षण पाल रही है जिसने वह समय देखा ही नहीं। विनाइल रिकॉर्ड, फिल्म वाले कैमरे, हाथ से लिखे पत्र, धीमी रफ्तार की जिंदगी! इसे फैशन कह सकते हैं। मगर सोचें, जो युवा अतीत में कभी रहे ही नहीं, वे उसमें सुकून क्यों खोज रहे हैं? क्या इसलिए कि भविष्य उन्हें भरोसेमंद नहीं लगता? और असंतोष केवल आर्थिक नहीं है। राजनीति से भी मोहभंग है। केन्या में करों के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन सत्ता के विशेषाधिकारों और जवाबदेही के सवाल तक पहुंचा। तुर्की में विपक्ष पर कार्रवाई के विरोध में छात्र सड़कों पर आए। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध ने भ्रष्टाचार और राजनीतिक परिवारों के विशेषाधिकारों के खिलाफ जमा गुस्से को भड़का दिया। यूरोप में भी अलोकप्रिय नीतियों और राजनीतिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ विरोध है। हर जगह तात्कालिक कारण अलग है, लेकिन सवाल उससे बड़ा है। आखिर सत्ता किसके लिए है और किसके प्रति जवाबदेह है? भारत में यह विरोधाभास और दिलचस्प है। एक दशक से युवाओं को बताया गया कि भारत महान बनने की दहलीज पर है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, युवा आबादी का लाभ और विकसित भारत! बड़े सपने देखो। उद्यमी बनो। दुनिया से मुकाबला करो।

दशकों का संघर्ष : आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम

प्रवीण कुमार शर्मा

वर्तमान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने इस मामले को पुन: पूरी गंभीरता से उठाया और कपिल सिब्बल जैसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से अदालत में मजबूती से पक्ष रखा करीब तीन दशकों के लंबे और जटिल कानूनी संघर्ष के पश्चात, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की परियोजनाओं में हिमाचल प्रदेश की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी के बकाया एरियर पर सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला न केवल इस लंबी न्यायिक लड़ाई का सुखद पटाक्षेप है, बल्कि पहाड़ी राज्य के प्राकृतिक संसाधनों पर उसके संवैधानिक अधिकार की भी एक ऐतिहासिक जीत है। इस महत्त्वपूर्ण निर्णय के अनुसार, अब पंजाब और हरियाणा को अगले 20 वर्षों तक सर्दियों के लीन सीजन (अक्टूबर से मार्च) में हिमाचल को कुल 11973 मिलियन यूनिट अतिरिक्त बिजली उपलब्ध करानी होगी, जिससे प्रदेश को करोड़ों रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। इस निर्णायक सफलता का श्रेय केवल वर्तमान सरकार की सक्रिय पैरवी को ही नहीं, बल्कि उन सभी पूर्ववर्ती सरकारों और नीति-निर्माताओं को भी जाता है, जिन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रदेश के हितों की रक्षा की नींव रखी और इस कानूनी लड़ाई को निरंतर जारी रखा। इस पूरे मामले की जड़ों को समझने के लिए हमें वर्ष 1966 के पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के इतिहास में जाना होगा। जब तत्कालीन पंजाब का पुनर्गठन हुआ, तो जनसंख्या के अनुपात के आधार पर हिमाचल प्रदेश को संयुक्त पंजाब की संपत्तियों और संसाधनों में 7.19 प्रतिशत का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। इस कानूनी प्रावधान के तहत, हिमाचल को न केवल भाखड़ा-नंगल और ब्यास जैसी पहले से निर्मित या निर्माणाधीन जलविद्युत परियोजनाओं में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए थी, बल्कि अन्य साझा संसाधनों पर भी उसका उतना ही हक था। विडंबना यह रही कि एक छोटा और पहाड़ी राज्य होने के कारण दशकों तक राष्ट्रीय मंचों पर हिमाचल की इस जायज आवाज को अनसुना किया गया। इस अनदेखी का दायरा केवल बीबीएमबी परियोजनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ की भूमि व परिसंपत्तियों में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी, बीबीएमबी बोर्ड में स्थायी सदस्यता, और मंडी स्थित शानन जलविद्युत परियोजना जैसे कई महत्त्वपूर्ण अधिकारों से भी हिमाचल को लंबे समय तक वंचित रखा गया। अपनी ही नदियों के दोहन के बदले विस्थापन का दंश झेलने के बावजूद, प्रदेश को दशकों तक उपेक्षा का शिकार होना पड़ा। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश की धरती पर बीबीएमबी की तीन प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएं संचालित हो रही हैं, जो उत्तर भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में रीढ़ की हड्डी मानी जाती हैं। इनमें ब्यास-सतलुज लिंक (बीएसएल) परियोजना के तहत डैहर पावर हाउस (990 मेगावाट), कांगड़ा स्थित पौंग बांध (396 मेगावाट) और विश्व प्रसिद्ध भाखड़ा बांध परियोजना (बाएं और दाएं तट के बिजलीघरों को मिलाकर कुल क्षमता 1415 मेगावाट) हैं। इस प्रकार हिमाचल की नदियों और भौगोलिक संसाधनों के दोहन से अकेले इन तीनों परियोजनाओं से कुल 2801 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। नियमानुसार इस कुल विद्युत उत्पादन में जनसंख्या के अनुपात (7.19 प्रतिशत) के हिसाब से हिमाचल प्रदेश का 201.39 मेगावाट हिस्सा बनता था, उसे भी दशकों तक रोके रखा गया और प्रदेश को अपने ही हक से वंचित रखा गया। प्रदेश के साथ हो रहे इस ऐतिहासिक अन्याय के विरुद्ध पहली बार सशक्त राजनीतिक आवाज तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार ने उठाई। वर्ष 1978 के आसपास उन्होंने इस मुद्दे को पूरी मजबूती के साथ तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के समक्ष रखा। उन्होंने अपने ठोस तर्कों से प्रधानमंत्री को इस बात के लिए सहमत कर लिया कि 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी पर अंतिम निर्णय होने तक हिमाचल को अंतरिम राहत के तौर पर कुछ बिजली अवश्य मिलनी चाहिए। इसी ऐतिहासिक बैठक के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश को पहली बार 15 मेगावाट मुफ्त बिजली मिलना सुनिश्चित हुआ, जो इस संघर्ष में पहली बड़ी कामयाबी थी। इसके बाद अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने इस लड़ाई को और आगे बढ़ाते हुए बिजली परियोजनाओं में 12 प्रतिशत रॉयल्टी के हक को लेकर 'हिमाचल अधिकार यात्रा' भी निकाली, लेकिन इस मुहिम के निर्णायक मोड़ पर पहुंचने से पहले ही उनकी सरकार चली गई। इसके पश्चात वर्ष 1996 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने इस मुद्दे को कानूनी रूप से निर्णायक अंजाम तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया। लंबे समय तक ठंडे बस्ते में रहने के बाद इस मामले में तब नई जान आई, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने अपने दूसरे कार्यकाल में इस विषय पर गंभीरता दिखाते हुए पूरी ताकत झोंक दी। उनकी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई की अर्जी दाखिल की और के. परासरन जैसे देश के वरिष्ठ विशेषज्ञ अधिवक्ता की सेवाएं लीं। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप 27 सितंबर 2011 को सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस फैसले के तहत नवंबर 2011 से प्रदेश को बीबीएमबी की परियोजनाओं में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी के हिसाब से बिजली मिलना सुनिश्चित हुआ, जिससे राज्य को आज भी प्रतिवर्ष लगभग 90 से 120 मेगावाट बिजली प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही अदालत ने 1966 से 2011 तक के बकाया (एरियर) की गणना करने का निर्देश दिया था। राज्य के ऊर्जा विभाग ने यह बकाया ब्याज सहित करीब 4300 करोड़ आंका था, जबकि केंद्र सरकार ने पुराने टैरिफ के आधार पर इसकी कीमत मात्र 1400 से 1500 करोड़ रुपए या 13066 मिलियन यूनिट बिजली तय की थी। धूमल सरकार के जाने के बाद यह मामला फिर से धीमा पड़ गया, विशेषकर तब जब पंजाब और हरियाणा ने अपनी खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए एकमुश्त नकद भुगतान करने से इनकार कर दिया। इसके बाद वर्तमान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने इस मामले को पुन: पूरी गंभीरता से उठाया और कपिल सिब्बल जैसे वरिष्ठ अधिवक्ताओं के माध्यम से अदालत में मजबूती से पक्ष रखा।

स्थानीय उत्पादों का मजबूत बाजार जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन स्वदेशी निर्माण इकाइयों और एमएसएमई इलेक्ट्रॉनिक्स समूहों ने इस वर्ष भारत के त्योहारी बाजार की करीब 80 प्रतिशत से अधिक प्रकाश व्यवस्था, सजावटी लडियों और गृह-सज्जा उत्पादों की मांग को स्वदेशी उत्पादन के बल पर सफलतापूर्वक पूरा किया है निश्चित रूप से, जहां एक ओर देश के त्योहारी बाजार में त्योहार से जुड़े स्थानीय और घरेलू उत्पादों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी ओर चीन से आयातित त्योहारी उत्पादों की मांग में लगातार कमी आ रही है। इस सुकूनदायक परिदृश्य के बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि चीन सहित अन्य देशों से त्योहारी उत्पादों के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के औद्योगिक और अन्य उत्पादों का आयात निरंतर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में, स्वदेशी और घरेलू उत्पादों की नियमित मांग को बढ़ावा देने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की घरेलू वस्तुओं की मांग बढ़ाकर आयात पर नियंत्रण करना होगा, ताकि व्यापार घाटे को काबू में रखते हुए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ा जा सके। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 13 नवंबर को वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2026 में भारत का वस्तु व्यापार (मरचेंडाइज ट्रेड) घाटा बढ़कर 39.88 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले 12 महीनों का सबसे उच्च स्तर है। कच्चे तेल के बढ़ते आयात, इलेक्ट्रॉनिक सहित विभिन्न वस्तुओं के बढ़ते आयात और सोने की खरीददारी में आई भारी तेजी के कारण आयात में यह उछाल देखने को मिला है। इसके विपरीत, सितंबर महीने में यह व्यापार घाटा 30.21 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। अक्टूबर माह में भारत का कुल वस्तु आयात बढ़कर 89.35 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान देश के निर्यात मोर्चे पर भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि में वस्तु निर्यात बढ़कर 49.47 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक है। मजबूत वैश्विक मांग और प्रमुख सेक्टरों के बेहतर प्रदर्शन ने निर्यात को यह जरूरी बल प्रदान किया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों दिवाली के त्योहारी बाजार में महंगाई की तमाम चुनौतियों के बावजूद स्थानीय और घरेलू उत्पादों की बिक्री की जबरदस्त रौनक उभरकर दिखाई दी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि विगत कुछ वर्षों से प्रधानमंत्री द्वारा वोकल फॉर लोकल का लगातार आह्वान नागरिकों के उपभोक्ता



व्यवहार पर गहरा और सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। परिणामस्वरूप, हर बीतते त्योहार के साथ भारतीय बाजारों में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा निर्मित वस्तुओं की मांग और बिक्री में सतत वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्तमान समय में जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की बाधाओं के कारण महंगाई का दबाव लगातार बना हुआ है, तब भी भारतीय उपभोक्ताओं के खरीददारी के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। देश के प्रमुख व्यापारिक संगठन फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार इस बार नवरात्रि से दिवाली तक करीब 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रिकॉर्ड कारोबार हुआ है। वहीं, विभिन्न शीर्ष आर्थिक संस्थानों की रिपोर्टों के मुताबिक इस त्योहारी चक्र में भारत के कुल व्यापारिक कारोबार में पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। नि:संदेह, इस बार त्योहारी सीजन की सबसे सुखद तस्वीर यह रही कि भारतीय बाजारों में चीनी उत्पादों का वर्चस्व तेजी से घटा है और स्वदेशी सामानों की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यदि हम एक दशक पूर्व की स्थिति का स्मरण करें, तो दिवाली के बाजारों पर सस्ते, आकर्षक, लेकिन घटिया गुणवत्ता वाले चीनी सामानों का 70 से 80 प्रतिशत तक एकछत्र राज हुआ करता था। चाहे सजावटी एलईडी लाइटें हों, प्लास्टिक के उपहार, प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां, आतिशबाजी हो या फिर बच्चों के खिलौने, चीन से बड़े पैमाने पर होने वाले आयात ने भारत के पारंपरिक कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों और लघु उद्यमियों को गंभीर रूप से हाशिए पर धकेल दिया था। इसके साथ ही, देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा हर वर्ष पानी की तरह बाहर चली जाती थी। यद्यपि भारत के कुल आयात और व्यापार घाटे में चीन का हिस्सा अब भी बड़ा है, लेकिन त्योहारी और उपभोग योग्य सामानों के आयात में आई यह भारी कमी एक बहुत बड़ा सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव है। भारतीय उपभोक्ता अब चीनी सामानों के स्थान पर विशुद्ध रूप से स्वदेशी, प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को अपनी पहली पसंद बना रहे हैं। इस बड़े बदलाव के कारण भारत को त्योहारी मौसम के दौरान अरबों रुपए की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की ऐतिहासिक बचत करने में बड़ी सफलता मिली है। भारतीय कारीगरों और 'मेक इन इंडिया' का सशक्तिकरण यह महत्वपूर्ण आर्थिक परिवर्तन केवल किसी भावुक अपील का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे भारतीय कारीगरों, बुनकरों, लघु उद्यमियों और 'मेक इन इंडिया' समूहों की कड़ी मेहनत, नवाचार और तकनीकी सुधार का बहुत बड़ा योगदान है।

एआई सब कुछ दे सकता है, लेकिन मां की दुआ, पिता का साया और गुरु का आशीर्वाद नहीं : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

■ माता-पिता का सम्मान, उनकी सेवा और गुरु के उपदेशों को जीवन में उतारना ही सच्चे संस्कारों की पहचान

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। परम पूज्य पुष्पगिरि तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागरजी महाराज के पावन सानिध्य में अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पीयूष सागरजी महाराज ससंघ पुष्पगिरि तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं। उनके पावन सानिध्य में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने माता-पिता और गुरु के आशीर्वाद का जीवन में महत्व बताते हुए कहा कि AI सब कुछ दे सकता है, लेकिन मां की दुआ, पिता का साया और गुरु का आशीर्वाद नहीं दे सकता।



आचार्यश्री ने आधुनिक तकनीक और पारिवारिक संस्कारों के बीच अंतर समझाते हुए कहा कि आज का युग AI और डिजिटल तकनीक का युग है। गूगल आपको हर सवाल का जवाब दे सकता है, ChatGPT आपके लिए निबंध लिख सकता है, लेकिन रात के दो बजे जब बच्चे को बुखार होता है, तब मां ही उसके सिरहाने बैठकर उसकी देखभाल करती है। पिता अपनी खुशियों और इच्छाओं का त्याग करके बच्चों के सपनों को पूरा करने में अपना पूरा जीवन लगा देते हैं। वहीं गुरु जीवन के अंधकार को दूर कर सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

आशीर्वाद में छिपी है जीवन की सबसे बड़ी शक्ति

आचार्यश्री ने कहा कि माता-पिता के चरण स्पर्श करने में शर्म नहीं, बल्कि संस्कार और सौभाग्य छिपा है। जिनके सिर पर माता-पिता का आशीर्वाद और गुरु का मार्गदर्शन होता है, वे जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से विचलित नहीं होते। आशीर्वाद वह अदृश्य शक्ति है, जो व्यक्ति को आत्मविश्वास, धैर्य और सही दिशा प्रदान करती है।

माता-पिता के उपकारों का मूल्य दुनिया की कोई दौलत नहीं चुका सकती। उनके प्रति सच्चा कर्तव्य निभाने के लिए उन्हें अपना समय देना, उनकी बातों का सम्मान करना, उनकी भावनाओं को समझना और उनसे कभी झूठ नहीं बोलना आवश्यक है। आचार्यश्री ने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए कहा कि प्रतिदिन कम से कम दस मिनट मोबाइल से दूर रहकर माता-पिता के साथ बैठें और उनसे प्रेमपूर्वक बातचीत करें। उनके जीवन के अनुभवों को सुनें और उनकी सेवा को अपना सौभाग्य समझें।

उन्होंने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु के उपदेश केवल सुनने के लिए नहीं होते, बल्कि उन्हें अपने आचरण और व्यवहार में उतारना चाहिए। गुरु की आज्ञा, शिक्षा और मार्गदर्शन को जीवन में अपनाना ही सच्ची गुरु-दक्षिणा है। आचार्यश्री ने पुष्पगिरि तीर्थ का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी भी महान कार्य की प्रेरणा, सफलता और प्रगति के पीछे बड़ों के संस्कार, गुरुओं का आशीर्वाद, समर्पण और शुभ संकल्प महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ओडिशा में गूंजा मनोहर गौशाला का जैविक कृषि मॉडल, किसानों को दिया प्रशिक्षण

■ गोपाष्टमी महोत्सव में फसल अमृत और ऑर्गेनिक गोल्ड बनाने की विधि सिखाई, गौ आधारित खेती को बढ़ावा देने पर जोर



रायपुर (विश्व परिवार)। ओडिशा के कांटाबांजी स्थित सुरभि गौशाला में आयोजित गोपाष्टमी महोत्सव में खैरागढ़ की मनोहर गौशाला का जैविक कृषि मॉडल आकर्षण का केंद्र रहा। गौशाला के संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने किसानों को गौ आधारित जैविक खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने फसल अमृत और ऑर्गेनिक गोल्ड बनाने की विधि सिखाई। साथ ही रासायनिक खाद पर निर्भरता कम करने के उपाय बताए।

डॉ. जैन ने बताया कि फसल अमृत गोमूत्र, नीम और सीताफल की पत्तियों से तैयार होता है। वहीं, ऑर्गेनिक गोल्ड गोबर, गोमूत्र और प्राकृतिक घटकों से बनने वाली जैविक खाद है। इनका उद्देश्य मिट्टी की गुणवत्ता सुधारना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। किसानों को स्थानीय संसाधनों से दोनों उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. जैन ने कहा कि गौशालाओं को गोसेवा के साथ जैविक कृषि, अनुसंधान और किसान प्रशिक्षण का केंद्र बनाना चाहिए। मनोहर गौशाला का लक्ष्य इन विधियों का नि:शुल्क प्रशिक्षण देशभर के किसानों तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में पावन सानिध्य स्वामी वृत्तानंद सरस्वती जी, गुरुकुल आश्रम, खरियार रोड का रहा। मुख्य अतिथि डॉ. अखिल जैन, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् एवं समाजसेवी डॉ. राकेश मिश्रा, भारत विकास परिषद के प्रांत अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, सुरभि गौशाला के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल (गुड्डू), सचिव अजित जैन और संयोजक अशोक छापड़िया सहित किसान एवं गौभक्त उपस्थित रहे। इस दौरान गौपूजन भी किया गया।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को मिलेगी तीन लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता

रायपुर (विश्व परिवार)। ओलंपिक, विश्व कप, एशियाड और राष्ट्रमंडल खेलों जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को राज्य सरकार तीन लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता देगी। यह सहायता प्रतियोगिताओं में शामिल होने के लिए यात्रा खर्च और उच्च गुणवत्ता वाले खेल उपकरणों की खरीदी के लिए छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदान की जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पात्र खिलाड़ियों से 30 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित किए हैं।

योजना के तहत खिलाड़ियों को यात्रा व्यय और खेल उपकरणों पर होने वाले वास्तविक खर्च अथवा अधिकतम तीन लाख रुपए, दोनों में से जो राशि कम होगी, उतनी सहायता दी जाएगी। खेल उपकरणों के लिए खिलाड़ी द्वारा मांगी गई राशि या संबंधित उपकरण के बाजार मूल्य में से कम राशि ही मान्य होगी। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना अनिवार्य

योजना का लाभ लेने के लिए खिलाड़ी का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना और संबंधित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करना जरूरी है। एक खिलाड़ी को एक वित्तीय वर्ष में केवल एक बार सहायता स्वीकृत की जाएगी। इसके लिए प्रतियोगिता में भागीदारी का प्रमाण पत्र और चयन पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यात्रा खर्च की गणना वास्तविक टिकट और अन्य संबंधित दस्तावेजों के आधार पर की जाएगी।

छठ पर्व के बाद लौटने वाले यात्रियों की सुविधा हेतु कन्फर्म बर्थ के साथ सुगम यात्रा की व्यवस्था

■ रक्सौल-चर्लपल्ली के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। छठ पर्व के उपरांत यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा उन्हें सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा रक्सौल-चर्लपल्ली-रक्सौल के मध्य 01-01 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 05531 रक्सौल-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन रक्सौल से शनिवार दिनाँक 21 नवम्बर 2026 को तथा गाड़ी संख्या 05532 चर्लपल्ली-रक्सौल स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से सोमवार दिनाँक 23 नवम्बर 2026 को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है।



गाड़ी की समय सारिणी

गाड़ी संख्या 05531 रक्सौल-चर्लपल्ली स्पेशल ट्रेन रक्सौल से शनिवार दिनाँक 21 नवम्बर 2026 को 16.55 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन रविवार को रायगढ़ आगमन 15.22 बजे, प्रस्थान 15.24 बजे, बिलासपुर आगमन 17.10 बजे, प्रस्थान 17.20 बजे, रायपुर आगमन 18.50 बजे, प्रस्थान 18.55 बजे, दुर्ग आगमन 19.45 बजे, प्रस्थान 19.50 बजे, राजनादगाँव आगमन 20.15 बजे, प्रस्थान 20.17 बजे, गोंदिया आगमन 22.00 बजे, प्रस्थान 22.10 बजे तथा तीसरे दिन सोमवार को 10.00 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 05532 चर्लपल्ली-रक्सौल स्पेशल ट्रेन चर्लपल्ली से सोमवार दिनाँक 23 नवम्बर 2026 को 22.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन मंगलवार को गोंदिया स्टेशन आगमन 09.30 बजे, प्रस्थान 09.40 बजे, राजनादगाँव आगमन 11.15 बजे, प्रस्थान 11.17 बजे, दुर्ग आगमन 11.50 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, रायपुर आगमन 12.40 बजे, प्रस्थान 12.45 बजे, बिलासपुर आगमन 14.45 बजे, प्रस्थान 14.55 बजे, रायगढ़ आगमन 18.08 बजे, प्रस्थान 18.10 बजे तथा तीसरे दिन बुधवार को 19.00 बजे रक्सौल स्टेशन पहुंचेगी।

इस स्पेशल ट्रेन में 01 पावरकार, 01 एसएलआरडी, 04 जनरल, 07 स्लीपर, 01 एसी-II, 04 एसी-III सहित कुल 18 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

पीपला फाउंडेशन ने शुरू किया वस्त्रदान अभियान

■ जरूरतमंद दिव्यांगों को मिले कंबल



आरंग (विश्व परिवार)। स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने देव उठनी के पावन अवसर पर शुक्रवार को वस्त्रदान अभियान का शुभारंभ किया।

ज्ञात हो कि संस्था विगत चार वर्षों से ठंड के मौसम में गरीबों और जरूरतमंदों को कंबल वितरण करते आ रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी अभियान की शुरुआत आरंग से की गई।

इस बार अभियान की शुरुआत फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम पत्रकार के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर की गई, जिसके तहत जरूरतमंद दिव्यांगों को कंबल वितरित किए गए।

इस अवसर पर फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम ने कहा कि शास्त्रों में धन की तीन गति बताई गई है - दान, भोग या नाश। इनमें दान को श्रेष्ठ बताया गया है। जरूरतमंद गरीबों और दिव्यांगों को वस्त्र देकर ठंड से एक छोटी सी राहत देने का प्रयास किया गया है। वहीं फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र पटेल ने बताया जनसहयोग से आगे भी यह अभियान चलता रहेगा।

वहीं इस अभियान में प्रमुख रूप से फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम पत्रकारश्री, अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, सहसचिव संजय मेश्राम, रमेश देवांगन, प्रतीक टोंड्रे, यादेश देवांगन, संतोष साहू, नीरज साहू प्रमुख रूप से शामिल रहे।

आईआईटी भिलाई में भारतीय बौद्धिक परंपराओं पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

■ भारत और दक्षिण कोरिया के विद्वान विरासत, संस्कृति और ज्ञान परंपराओं पर कर रहे मंथन

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व धरोहर सप्ताह 2026 के अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई में 19 से 21 नवंबर तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। 'भारत की बौद्धिक परंपराएँ : समाज, संस्कृति और विरासत' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में भारत और दक्षिण कोरिया के पुरातत्वविद्, इतिहासकार, वास्तुकार, संग्रहालय विशेषज्ञ तथा शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य भारत की समृद्ध बौद्धिक परंपराओं के विकास, उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव तथा पुस्तकों, मंदिरों, स्थापत्य, हस्तशिल्प और दैनिक जीवन की परंपराओं के माध्यम से उनके संरक्षण और पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण का अध्ययन करना है।



इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का संयुक्त आयोजन आईआईटी भिलाई के संस्कृति, भाषा एवं परंपरा अध्ययन केंद्र, छत्तीसगढ़ शासन के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय तथा सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी एशिया सेंटर के दक्षिण एशियाई अध्ययन केंद्र द्वारा किया जा रहा है।

सम्मेलन में अतिथियों और प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने कहा कि शिक्षा तभी पूर्ण होती है, जब विद्यार्थियों में समाज की गहरी समझ विकसित हो। उन्होंने सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास और आमजन के जीवनानुभवों को समझने में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञानों की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। उन्होंने कहा कि संस्कृति और विरासत एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

किसानों को साइबर ठगी से बचाने दुर्ग पुलिस ने शुरू किया विशेष जागरूकता अभियान

दुर्ग (विश्व परिवार)। धान खरीदी सीजन में किसानों के बैंक खातों में बड़ी मात्रा में राशि जमा होने के मद्देनजर साइबर ठगी की आशंका को देखते हुए दुर्ग पुलिस ने विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत किसानों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए तरीकों की जानकारी देने के साथ बैंकिंग लेनदेन के दौरान सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

अभियान के तहत धान उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों, बैंकों, पोस्ट ऑफिस, सहकारी बैंकों और सहकारी समितियों में साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरूकता पोस्टर लगाए जा रहे हैं। सहकारी संस्थाओं को भी ये पोस्टर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक किसानों तक साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुंचाई जा सके। दुर्ग पुलिस की टीमें धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर किसानों को साइबर ठगी के प्रचलित तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दे रही हैं। पुलिस ने किसानों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, एटीएम पिन या बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा न करें। अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें और बैंकिंग सहायता के नाम पर आने वाले संदिग्ध फोन कॉल से सतर्क रहें।

पुलिस ने कहा है कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करे या आधिकारिक पोर्टल www.cybercrime.gàæv.in पर शिकायत दर्ज कराए। समय पर शिकायत करने से धोखाधड़ी की रकम को रोकने की संभावना बढ़ जाती है।

अकवान तूफान एवं बेमौसम बारिश से किसानों की फसल बर्बाद

■ भाजपा सरकार संवेदनहीन होकर तमाशा देख रही है : कांग्रेस



रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार का रवैया किसानों के प्रति गैरजिम्मेदाराना एवं मुसीबत में पीठ दिखाकर भागने वाला है। किसान को प्राकृतिक आपदा एवं सरकार निर्मित आपदा से लड़ना पड़ रहा है। पहले अर्नव, मुरासू अब अकवान तूफान एवं बेमौसम बारिश से किसानों की फसल बर्बाद हो गई। इस कठिन समय में भाजपा सरकार की किसानों के प्रति संवेदनहीनता सामने आयी है, किसानों की फसल बर्बाद होने के बाद सरकार खड़ा होकर तमाशा देख रही है। ये भाजपा के किसान विरोधी होने का प्रमाण है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 1 नवंबर से धान की खरीदी होती किसानों को टोकन, बारदाना मिलता तो जिन किसानों की फसल तैयार हो गयी है कट कर खलिहान में रखी है उन्हें नुकसान नहीं होता, सरकार के अकर्मण्यता के चलते 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई उसमें भी भारी अव्यवस्था का सामना किसानों को करना पड़ रहा है। किसान धान बेचने टोकन, बारदाना के लिए भटक रहे है, और ये तूफान किसानों के लिए दोहरी मुसीबत है। पहले तूफान से किसानों के फसल नुकसान का सर्वे अब तक हुआ नहीं है, न ही किसानों को मुआवजा मिला है अब फिर बेमौसम हो रही बारिश किसानों के ऊपर पहाड़ बनकर टूट रही है। बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खेतों में खड़ी और कटाई के बाद रखी फसल बारिश से खराब हो रही है, किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भाजपा सरकार अब तक किसानों को राहत देने के लिए गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ मैदान में नहीं उतरी है।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के नाम पर बड़े-बड़े भाषण देती है, लेकिन जब किसान संकट में होता है तो सरकार की संवेदनाएं गायब हो जाती हैं। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा देने, फसल बीमा का लाभ दिलाने और नुकसान की भरपाई के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय सरकार केवल औपचारिकता निभा रही है।

चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह के भारत गौरव कार्यक्रम में 'जम्मू-कश्मीर चुनौतियां और संघ' पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली। चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह के 10 वर्ष पूर्ण होने पर 'भारत गौरव उत्सव 2026' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष की थीम पर आयोजित दूसरे दिन का भव्य विमोचन कार्यक्रम गुरुवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के स्पीकर हॉल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े के मुख्य आतिथ्य एवं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम और राष्ट्रगान जन-गण-मन से हुआ। दीप प्रज्वलन के पश्चात आयोजक एवं चाणक्य वार्ता के संपादक डॉ. अमित जैन ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और श्रोताओं का आत्मीय अभिनंदन किया। उन्होंने चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह की 10 वर्षों की वैचारिक और प्रकाशन यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 2016 से 2025 तक समूह ने राष्ट्र, समाज, संस्कृति और विचार आधारित साहित्य के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान बनाई है और भविष्य में भी यह प्रतिबद्धता जारी रहेगी। संघ शताब्दी पुस्तक श्रृंखला के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तक 'जम्मू-कश्मीर चुनौतियां और संघ' का विमोचन मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के करकमलों द्वारा किया गया। यह पुस्तक वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता द्वारा लिखित और श्री धीरेन्द्र मिश्रा द्वारा संपादित है। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि आज एक बहुत अच्छी और सामयिक पुस्तक का विमोचन हुआ है। उन्होंने कहा कि 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना मातृभूमि की सेवा के संकल्प के साथ हुई थी। तभी से संघ निस्वार्थ और समर्पण भाव से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है। राष्ट्र और समाज के उत्थान में संघ का बहुत बड़ा योगदान है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। राज्यपाल ने अपने संबोधन में संघ के कार्यों से जुड़े कई प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने भागीदारी की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद संख्या में कम होने के बावजूद संघ ने जम्मू-कश्मीर में बहुत बड़ा योगदान दिया और दूसरे बंटवारे को होने से रोका। संघ सदैव विभाजनकारी शक्तियों के खिलाफ एक मजबूत दीवार की तरह खड़ा रहा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान संघ के दीये की लौ बनकर आज भी राष्ट्र को प्रकाश दे रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 का लाभ केवल एक वर्ग को देने के लिए किया गया, जिसके दुष्परिणाम पूरे देश ने देखे। अपना सानिध्य प्रदान करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह-प्रचार प्रमुख श्री नरेन्द्र ठाकुर ने अपने ओजस्वी विचार रखे। उन्होंने कहा कि संघ ने सदैव चुनौतियों का मुकाबला और समाधान समाज के साथ मिलकर किया है। विभिन्न विषम परिस्थितियों में बलिदान देकर भी संघ समाज के साथ खड़ा रहा है और राष्ट्रहित में कार्य करता रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री ने संघ की स्थापना से लेकर जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय तक की ऐतिहासिक यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संघ की भूमिका को ऐतिहासिक तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जेएनयू के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नसीब अली चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। पुस्तक के लेखक रमेश गुप्ता एवं संपादक धीरेन्द्र मिश्र ने पुस्तक की विषयवस्तु और लेखन प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।



जनजातीय किसानों को मिला उन्नत खेती का प्रशिक्षण

■ वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण लेकर तिलहन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे नारायणपुर के किसान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। खेती-किसानी में नई तकनीकों का समावेश किसानों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसी दिशा में बस्तर अंचल के जनजातीय किसानों को तिलहनी फसलों की खेती से जोड़ने और उनकी उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि विभाग एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक खेती की जानकारी, उन्नत उत्पादन तकनीक और आवश्यक कृषि आदान सामग्री मिलने से अब किसान पारंपरिक खेती के साथ तिलहन उत्पादन को भी आय के बेहतर विकल्प के रूप में अपना सकेंगे।

इसी उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र नारायणपुर में जनजातीय उपयोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह आदान सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के 50 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के वैज्ञानिकों ने किसानों को रबी मौसम में तिलहनी फसलों की उन्नत खेती, फसल प्रबंधन और अधिक उत्पादन प्राप्त करने के वैज्ञानिक तरीके बताए।



प्रशिक्षण के दौरान परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के सह संचालक अनुसंधान डॉ. एके ठाकुर ने तिलहनी फसलों की खेती के महत्व और बस्तर क्षेत्र में इसकी व्यावसायिक संभावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने किसानों को तिलहन उत्पादन को खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने तथा उपलब्ध कृषि संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, शनिवार 21 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार



राम मंदिर घाट पर नवयुवक दुर्गा पूजा संघ ने स्थापित की सात घोड़ों पर सवार सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा

रामानुजगंज। लोक आस्था और सूर्य उपासना के चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा के अवसर पर रामानुजगंज के राम मंदिर घाट में नवयुवक दुर्गा पूजा संघ द्वारा विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। कई दशकों से राम मंदिर घाट पर छठ पर्व के दौरान प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभा रही समिति ने इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां कीं। इस अवसर पर समिति द्वारा सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्यदेव की आकर्षक प्रतिमा स्थापित कराई गई। नगर के विद्वान पंडित धनंजय मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान सूर्यदेव की पूजा-अर्चना संपन्न कराई। प्रतिमा स्थापना के साथ ही राम मंदिर घाट का वातावरण भक्तिमय हो गया। पूजा-अर्चना से पूर्व नवयुवक दुर्गा पूजा संघ के सदस्यों आलोक गुप्ता, अमित जायसवाल, जितेश केसरी, मुकेश केसरी एवं राबिन गुप्ता सहित अन्य लोगों ने भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं नगरवासियों की खुशहाली की कामना की। उल्लेखनीय है कि नवयुवक दुर्गा पूजा संघ द्वारा वर्षों से राम मंदिर घाट पर छठ महापर्व के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। घाट की लाइटिंग, सजावट एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के माध्यम से समिति पर्व को व्यवस्थित और भक्तिमय बनाने में अपना योगदान देती आ रही है।



वाहन चोरों के विरुद्ध सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई,एक शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले के पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल एवं एसडीओपी सारंगढ़ गोविन्द दीवान के नेतृत्व में जिले में हो रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस टीम द्वारा वाहन चोरी के मामले में आरोपी अनिल पटेल, निवासी ग्राम कुम्हारी, थाना बरमकेला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से विभिन्न स्थानों से चोरी की गई कुल 08 मोटरसाइकिलें, अनुमानित कीमत 2,15,000/- बरामद कर जब्त की गई हैं। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह चोरी की गई मोटरसाइकिलों को बेचने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग कर उनके फर्जी दस्तावेज तैयार करता था। इसके बाद इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर चोरी की मोटरसाइकिलों को कम कीमत पर बेच देता था। आरोपी द्वारा अपनाए जा रहे इस तरीके से वाहन चोरी एवं फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है।



वार्ड निरीक्षण के लिए महापौर पहुँचे बसंतपुर एवं लालबाग, रेलिंग एवं उद्यान जीर्णोद्धार के दिये निर्देश

राजनांदगांव। सफाई में गुणात्मक सुधार लाने महापौर मधुसूदन यादव एवं आयुक्त जी.आर. मरकाम वार्डो में जाकर वार्डवासियो से अवगत हो सुधार की दिशा मे कार्य करने कर्मचारियो को निर्देशित कर रहे है। वही उनके द्वारा निर्माण कार्यो का जायजा लेने के साथ साथ अन्य समस्या का निराकरण करने भी दिशा निर्देश दिया जा रहा है। इसी कडी में आज महापौर यादव आयुक्त मरकाम के साथ बसंतपुर एवं लाल बाग क्षेत्र में सफाई निरीक्षण कर वार्डवासियो की विकास संबंधी मांग पर कार्य करने अधिकारियो को दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जल विभाग के प्रभारी सदस्य सुनिल साहू, राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य राजा माखीजा, पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव की विशेष उपस्थिति रही। महापौर यादव आयुक्त, तहसीलदार नाग व निगम पदाधिकारियो के साथ जोगी नगर पहुच नागरिको से मुलाकात किये। जोगी नगर वासियो के द्वारा पट्टा की मांग पर उन्होंने कहा कि शासन नियमानुसार पट्टा दिया जाता है। सर्वे कर पात्र लोगो को पट्टा वितरण किया जाएगा।



आंवले के वृक्षों के नीचे उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पूजा-अर्चना कर की सुख-समृद्धि की कामना

रामानुजगंज। आंवला नवमी के पावन अवसर पर बुधवार को रामानुजगंज नगर में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही आंवले के वृक्षों के नीचे पूजा-अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित मां महामाया मंदिर परिसर एवं पहाड़ी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आंवले के वृक्ष की पूजा करने पहुंचे। इस अवसर पर महिलाओं सहित अन्य श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना की। इसके बाद वृक्ष की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने आंवले के वृक्ष के नीचे बैठकर धार्मिक कथा का श्रवण किया तथा पूजा-अर्चना के पश्चात वहीं भोजन ग्रहण किया। इस दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित आंवले के वृक्षों के नीचे भी बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और परंपरानुसार पूजा-अर्चना की। मां महामाया मंदिर के पुजारी जितेंद्र पांडे एवं पहाड़ी मंदिर के पुजारी पवन पांडे ने आंवला नवमी के धार्मिक महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा कर वृक्ष की परिक्रमा करते हैं, कथा सुनते हैं और वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन ग्रहण करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार ऐसा करने से परिवार में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि बनी रहती है। आंवला नवमी के अवसर पर पूरे नगर में सुबह से ही धार्मिक उत्साह और आस्था का वातावरण बना रहा।

पूर्व सलाहकार प्रदीप शर्मा ने उठाए प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल, अंकित गौरहा बोले ब्राह्मण समाज को उसका अधिकार नहीं मिला तो होगा उग्र आंदोलन

बिलासपुर। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। छत्तीसगढ़ ब्राह्मण समाज के बहुउद्देशीय भवन के लिए तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में आवंटित जमीन पर आज तक समाज को वास्तविक कब्जा नहीं मिल पाया है। हैरानी की बात यह है कि समाज ने जमीन की निर्धारित कीमत चुकाई, विधिवत रजिस्ट्री कराई और राजस्व अभिलेखों में भी जमीन समाज के नाम दर्ज हो गई, लेकिन इसके बावजूद सीमांकन और कब्जा सौंपने की प्रक्रिया अधूरी है। प्रस्तावित भवन निर्माण का सपना वर्षों से फाइलों में अटका हुआ है। मामले ने उस समय फिर तूल पकड़ लिया जब जमीन पर दोबारा अतिक्रमण की आशंका सामने आई। सवाल यह है कि जब जमीन समाज के नाम पर दर्ज है और पहले भी प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जा चुका है।

, तो आखिर अब तक सीमांकन



प्रदीप शर्मा ने पूछा—दस्तावेज पूरे तो कब्जा देने में देरी क्यों?

तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे प्रदीप शर्मा ने इस पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को यह जमीन काफी प्रयासों के बाद शासन की विधिवत प्रक्रिया के तहत मिली थी। समाज ने इसकी कीमत चुकाई, रजिस्ट्री कराई और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए। राजस्व अभिलेखों में भी जमीन समाज के नाम दर्ज है। इसके बावजूद समाज को अपनी ही जमीन का कब्जा नहीं मिलना समझ से परे है। उन्होंने बताया कि जमीन पर पहले भी अतिक्रमण था, जिसे तत्कालीन शासन-प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर हटाया गया था। इसके बाद सीमांकन कराकर जमीन समाज को सौंपने की प्रक्रिया पूरी होनी थी, लेकिन यह काम अधूरा रह गया। प्रदीप शर्मा ने सवाल उठाया कि जब प्रशासन पहले अतिक्रमण हटा चुका था, तब उसी समय सीमांकन कराकर समाज को कब्जा क्यों नहीं दिया गया? अब दोबारा अतिक्रमण की आशंका क्यों उत्पन्न हो रही है? उन्होंने मांग की कि जमीन की वर्तमान स्थिति की जांच कराई जाए और यह भी पता लगाया जाए कि यदि दोबारा कब्जे की कोशिश हो रही है तो इसके पीछे कौन लोग हैं।

प्रशासन से तत्काल सीमांकन और कब्जा सौंपने की मांग

अंकित गौरहा ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आवंटित दो एकड़ जमीन का तत्काल सीमांकन कराया जाए। राजस्व अभिलेखों और मौके की वास्तविक स्थिति का मिलान कराकर यदि कहीं अतिक्रमण पाया जाता है तो उसे नियमानुसार हटाया जाए। इसके बाद जमीन का विधिवत कब्जा ब्राह्मण समाज को सौंपा जाए और प्रस्तावित बहुउद्देशीय भवन के निर्माण के लिए समय-सीमा निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि समाज की जमीन को सुरक्षित रखना और उसके उपयोग का अधिकार सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस मामले में अब और देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

जमीन दलालों की मनमानी पर अंकित गौरहा ने उठाए सवाल

कांग्रेस नेता एवं युवा विप्र खारंग परिक्षेत्र के अध्यक्ष अंकित गौरहा ने मामले में स्थानीय भाजपा विधायक और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब जमीन समाज के नाम पर विधिवत दर्ज है,उसकी कीमत समाज चुका चुका है और रजिस्ट्री भी हो चुकी है, तो फिर समाज को अपने अधिकार के लिए वर्षों से इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? गौरहा ने कहा कि बेलतरा क्षेत्र में जमीन से जुड़े मामलों में आम लोगों और सामाजिक संस्थाओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का मामला प्रशासनिक उदासीनता का गंभीर उदाहरण है।

मांग पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

युवा विप्र खारंग परिक्षेत्र के अध्यक्ष अंकित गौरहा ने स्पष्ट कहा कि यदि शासन-प्रशासन ने समाज की मांग को गंभीरता से नहीं लिया और शीघ्र सीमांकन कराकर जमीन का कब्जा नहीं सौंपा, तो वे समाज के लोगों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों से मुलाकात कर आगे की कार्रवाई करेंगे। इसके बावजूद समाधान नहीं निकला तो समाज के अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदीप शर्मा ने भी स्पष्ट किया कि जमीन पर दोबारा अतिक्रमण की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराकर समाज को उसका अधिकार नहीं दिया गया तो समाज आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होगा।

अब प्रशासन को देना होगा जवाब

ब्राह्मण समाज की दो एकड़ जमीन का यह मामला अब केवल बहुउद्देशीय भवन के निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है। यह सवाल बन गया है कि कीमत चुकाने, रजिस्ट्री कराने और सरकारी रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने के बावजूद किसी सामाजिक संस्था को अपनी जमीन का वास्तविक कब्जा पाने के लिए वर्षों तक इंतजार क्यों करना पड़ रहा है? अब निगाहें जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर हैं। समाज को आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन का सीमांकन, अतिक्रमण से मुक्ति और विधिवत कब्जा चाहिए। देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक ठोस कार्रवाई करता है।

कचहरी चौक में गरजीं तीन हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं, सरकार को दी सत्ता परिवर्तन की चेतावनी

नियमितीकरण और 30 हजार रुपये मानदेय की मांग पर अड़ीं प्रदर्शनकारी

जांजगीर-चांपा। अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कचहरी चौक में चल रहा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं का तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन अब सरकार के खिलाफखुली नाराजगी में तब्दील हो गया है। छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका कल्याण संघ के बैनर तले जुटीं तीन हजार से अधिक कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने शासन के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। धरना स्थल पर प्रदर्शनकारियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को भी निशाने पर लेते हुए गहरा रोष व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ विभागीय योजनाओं को जमीनी स्तर



पर सफल बना रही हैं, लेकिन उनकी जायज मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कम मानदेय में लगातार बढ़ते कामकाज और अतिरिक्त जिम्मेदारियों को लेकर उनमें भारी आस्रठोश है। आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों के तेवर उस वक्त और तीखे हो गए, जब उन्होंने राज्य सरकार को सीधे सत्ता परिवर्तन की चेतावनी दे डाली। कार्यकर्ताओं ने पूर्ववर्ती सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह पिछले शासन को सत्ता से बाहर होना पड़ा था, उसी तरह यदि वर्तमान सरकार ने भी उनकी मांगों को नजरअंदाज किया तो उसे भी सत्ता से हाथ धोना पड़ सकता है। संघ की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, 30 हजार रुपये मासिक मानदेय, रिक्त पर्यवेक्षक पदों पर 50 प्रतिशत पदोन्नति, सहायिकाओं को शत-प्रतिशत कार्यकर्ता पद पर पदोन्नति और सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता राशि शामिल है। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद भी यदि सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल दिया जाएगा।

जिले के सभी थाना प्रभारियों की पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, लंबे समय से लंबित आपराधिक एवं मर्ग प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा आम नागरिकों को समय पर न्याय दिलाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल के नेतृत्व में जिला पुलिस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के समस्त थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने 'वन-टू-वन' चर्चा करते हुए सभी थाना प्रभारियों से उनके थानों के कामकाज का अद्यतन लिया और लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। साथ ही, जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण



दिशा-निर्देश दिए गए। एसपी सुनील शर्मा ने सभी थानों में लंबे समय से लंबित पड़े आपराधिक मामलों तथा मर्ग डायरी के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामलों के विलंब व तकनीकी कमियों की वजह से आम जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिले में अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए पुलिस महकमे को कड़े निर्देश दिए गए हैं। अवैध शराब की बिक्री और परिवहन में संलिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

एनीकट के गेट में फंसी युवती, शिवनारायण सिंह ने पानी में कूदकर बचाई जान

- **रामानुजगंज में नहाने के दौरान हुआ हादसा, समय रहते मदद मिलने से टली बड़ी अनहोनी**

रामानुजगंज। नगर में दोपहर करीब 1 बजे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एनीकट में नहा रही करीब 18 से 20 वर्ष की छह युवतियों में से एक अचानक पानी के बहाव के बीच एनीकट के गेट में जाकर फंस गई।

युवती को फंसा देख उसकी सहेलियां घबरा गईं और मदद के लिए चिल्लाने लगीं। इसी दौरान वहां से गुजर रहे शिवनारायण सिंह की नजर युवतियों पर पड़ी। शोर सुनकर उन्होंने तत्काल स्थिति को समझा और बिना देर किए पानी में छलांग लगा दी। उन्होंने काफी मशक्कत के बाद एनीकट के गेट में फंसी युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि शिवनारायण सिंह ने समय रहते तत्परता नहीं दिखाई



होती और बचाव में थोड़ी भी देर हो जाती तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी। उनकी सूझबूझ और साहस के कारण युवती की जान बच गई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने शिवनारायण सिंह के साहस और तत्परता की सराहना की। इस घटना ने एक बार फिर एनीकट जैसे जलाशयों में नहाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी और सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को सामने ला दिया है।

मानव नवनिर्माण संस्थान् ने वृद्धाश्रम में 26वाँ राज्योत्सव मनाया

राजनांदगांव। प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्था मानव नवनिर्माण संस्थान् ने 26वाँ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस भगवान महावीर समता वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के बीच मनाया। यह संस्थान के प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले 'वृद्धजन सम्मिलन' का हिस्सा था।

''मानस'' संस्थान् द्वारा अपने संकल्पित लक्ष्य 'सतत् वृद्धजन सम्मिलन' कार्यक्रम के अंतर्गत ''छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026'' राज्य निर्माण के प्रत्यक्ष प्रमाण रहे समाज के वृद्धजनों और वरिष्ठजनों के बीच उपस्थित होकर मनाया।

इस अवसर पर हमेशा की तरह ''मानस परिवार'' के सभी सदस्य उपस्थित हुए।

आयोजन का उद्धेश्य वर्तमान परिवेश में समाज का वरिष्ठजनों स्थिति के प्रति आदर और स्नेह का प्रकट करना, साथ ही उनके भीतर वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण को समझना था। वृद्धाश्रम में ज्यादातर महिलाएँ हैं।

बाल दिवस पर जिला यातायात पुलिस की विशेष पहल : श्री श्याम वर्ल्ड स्कूल में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम



सारंगढ़ बिलाईगढ। नाबालिगों को वाहन न देने की अभिभावकों से अपील, नियम उल्लंघन पर धारा 199 के तहत होगी वैधानिक कार्रवाई। अनजान लिंक पर क्लिक न करें व साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ की यातायात पुलिस टीम द्वारा आज श्री श्याम वर्ल्ड स्कूल, बिलाईगढ़ में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों, साइबर अपराधों से बचाव और देश के नवीन कानूनों के प्रति जागरूक करना था।

अभिभावकों के लिए विशेष संदेश

यातायात सेल ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को कभी भी वाहन चलाने के लिए न दें। साथ ही, बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट उपयोग पर उचित निगरानी रखें तथा स्वयं भी यातायात नियमों का पालन कर बच्चों के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नाबालिग द्वारा वाहन चलाए जाने पर मोटरयान अधिनियम की धारा 199 के तहत सीधे अभिभावक अथवा वाहन स्वामी के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई किए जाने का प्रावधान है।

यातायात नियमों के साथ साइबर जागरूकता संबंधी जानकारी :

डिजिटल युग के खतरों से बच्चों को बचाने के लिए साइबर जागरूकता पर भी विशेष जोर दिया गया। यातायात टीम ने बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में समझाया। उन्हें किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, फर्जी कॉल से सावधान रहने तथा अपना ओटीपी और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी गई। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या साइबर धोखाधड़ी होने पर बिना घबराए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया।

रामानुजगंज के सात घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन

- **राम मंदिर घाट पर हजारों व्रतियों ने की सूर्य उपासना, नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने पत्नी के साथ सभी घाटों पर पहुंचकर लिया आशीर्वाद**

रामानुजगंज। सूर्य उपासना के महापर्व छठ की अद्भुत छटा रामानुजगंज नगर में देखने को मिली। चार दिनों तक चलने वाले इस आस्था और लोक संस्कृति के महापर्व का समापन सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ हुआ। इस दौरान नगर के सात अलग-अलग घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। घाटों पर छठी मईया के



पारंपरिक गीतों के बीच भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। नगर में इस वर्ष सात घाटों पर व्रतियों ने विधि-विधान से छठ पूजा की। इनमें राम मंदिर घाट और शिव मंदिर घाट प्रमुख रहे। राम मंदिर घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। वहीं, नगर के सभी सात घाटों पर एक हजार से अधिक व्रती पूरी रात नदी में रहकर सूर्य उपासना करते रहे। व्रतियों की अटूट आस्था के आगे ठंड का असर भी फीका नजर आया। छठ महापर्व के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ नगर के सभी छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने विभिन्न घाटों पर मत्था टेककर छठी मईया का आशीर्वाद लिया तथा व्रतियों और श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर पर्व की खुशियां साझा कीं। राम मंदिर घाट पर सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्य की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई थी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

आयोजन की खास झलकियां

– 2 हजार से अधिक व्रती : नगर के सातों घाटों पर 2 हजार से अधिक ने व्रत किया एक हजार से अधिक व्रती पूरी रात नदी में रहकर भगवान सूर्य की उपासना करते रहे।

– 400 से अधिक दुकानें : राम मंदिर घाट पर पूजा सामग्री, फल, प्रसाद और अन्य जरूरी सामानों की 400 से अधिक छोटी-बड़ी दुकानें सजीं। सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा : सात घोड़ों पर सवार भगवान सूर्य की प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। सभी घाटों पर पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष : रमन अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ सभी छठ घाटों पर पहुंचे और मत्था टेककर आशीर्वाद लिया ।राम मंदिर घाट की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी नवयुवक दुर्गा पूजा संघ के सदस्यों ने संभाली।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 21 नवम्बर 2026

मरौदा रेलवे स्टेशन में संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन

■ रायपुर रेल मंडल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एवं राज्य आपदा मोचन बल की टीम के साथ संयुक्त मॉक ड्रिल



रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा अपने फ्रंट लाइन स्टाफ रेल आपदा प्रबंधन टीम एवं स्थानीय नागरिकों को गाड़ियों में होने वाली आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले बचाव कार्य से संबंधित तरीकों को अभ्यास के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए प्रशिक्षण दिए जाने की नियमित प्रक्रिया है । ताकि वे दुर्घटना के समय किए जाने वाले बचाव कार्य के तरीकों को अपनाकर कुशलता पूर्वक राहत कार्य कर सके । यद्यपि आपदा के समय फ्रंट लाइन स्टाफ रेल आपदा प्रबंधन टीम ART-Accident Relief Trains/ ARMV - Accident Relief Medical Van एवं स्थानीय नागरिक ही बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

इसी कड़ी में आज दिनांक 20 नवम्बर 2026 दिन शुक्रवार को यह अभ्यास प्रदर्शन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की बटालियन मुंडाली (कटक) ओडीसा, राज्य आपदा मोचन बल (SDRF), रायपुर मंडल – संरक्षा विभाग, रेल आपदा प्रबंधन टीम (ART/ARMV) की आपदा राहत टीम तथा सिविल डिफेंस द्वारा संयुक्त रूप से मरौदा में किया गया । उक्त संयुक्त मॉक ड्रिल में एन.डी.आर.एफ, एस.डी.आर.एफ , सिविल डिफेंस, स्काउट एवं गाइड से, ART/ARME टीम से एवं रेलवे मेडिकल टीम, वाणिज्य, मेकेनिकल, दूरसंचार ,इलेक्ट्रिकल एवं अन्य विभाग मौजूद रहे । उक्त आयोजन में छत्तीसगढ़ शासन एवं बीएसपी के अग्निशामक वाहन, एंबुलेंस एवं लोकल पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल की उचित व्यवस्था थी।

इस प्रदर्शन में कोच के डिरेल होने को पर होने वाली स्थितियों को निर्मित किया गया। सवारी गाड़ी के डिब्बे में आग लगने की स्थिति को दर्शाते हुए यह बताया गया कि इस दौरान कैसे पीडितों को सुरक्षित बाहर निकाला जाय एवं उनकी सहायता की जाय । रेलवे कोच को काट कर यात्रियों को निकालने के नवीन संसाधनों का उपयोग साथ ही आग को बुझाने के विभिन्न तरीकों को भी जीवंत रूप में दिखाया गया । इस अभ्यास प्रदर्शन के माध्यम से किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने हेतु राहत एवं बचाव कार्यों की गतिविधियों को भी दिखाया गया।

इस अभ्यास के दौरान प्राथमिक उपचार केंद्र, शव गृह, अधिकारी कक्ष, मीडिया केंद्र, पूछताछ केंद्र,दूरभाष केंद्र ,नागरिक सुरक्षा सहायता केंद्र, एआरटी, एनडीआरएफ ऑर्गेनाइजेशन, एस.डी.आर.एफ , रेलवे सुरक्षा बल सहायता केंद्र बनाए गए । रेलवे सुरक्षा बल के श्वान (डॉग स्क्वॉड) एवं बम निरोधक दस्ता टीम ने बम जांच की प्रक्रिया को दर्शाया । मौजूद साधन संसाधनों का अवलोकन अपर मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री बजरंग अग्रवाल जी ने किया एवं विस्तृत जानकारी ली एवं वास्तविक आपदाओं से निपटने के लिये हमेशा तत्पर रहने की बात कही। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रायपुर डॉ.सुस्कर विपुल विलासराव जी ने स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए मॉक ड्रिल के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए रेलवे द्वारा नागरिकों को आपदा के समय की जाने वाली बेहतर कार्यों की जानकारी दी गई । साथ ही अपील भी किया गया कि वे आपात स्थिति में लोगों की सहायता कर रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करे।

इस अभ्यास प्रदर्शन में अपर मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री बजरंग अग्रवाल , वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रायपुर डॉ.सुस्कर विपुल विलासराव, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी रायपुर श्री सुरेश चन्द्र, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद एवं एन.डी.आर.एफ टीम के कमांडेंट श्री जे.आदित्य रेड्डी, एस.डी.आर.एफ टीम, डॉ. सी.बी.एस.बंजारे नोडल ऑफिसर आपदा प्रबंधन सी.एम.एच.ओ (CMHO) कार्यालय एवं डॉ. विभोर लाल दुर्ग सहित उनकी टीम, सिविल डिफेन्स के सदस्य, एवं स्काउट गाइड , संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर सहित रायपुर मंडल के अन्य शाखा अधिकारी तथा कर्मचारीगण एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता निगरानी का सकारात्मक परिणाम

■ जल नमूने लगातार गुणवत्ता मानकों के अनुरूप



बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रभावी निगरानी एवं नियमित परीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसी का सकारात्मक परिणाम है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों एवं जल आपूर्ति केंद्रों से लिए गए पेयजल के नमूने लगातार गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए हैं ।

यह उपलब्धि पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा अपनाई जा रही सतत निगरानी, नियमित परीक्षण एवं समयबद्ध समीक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न जल आपूर्ति स्रोतों, भंडारण टैंकों एवं वितरण केंद्रों से निर्धारित अंतराल पर पानी के नमूने एकत्रित कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण कराया जाता है। परीक्षण परिणामों की नियमित समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि पेयजल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि समीक्षा अवधि के दौरान पेयजल की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप बनी रही। यह प्रभावी जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली, नियमित परीक्षण एवं रेलवे प्रशासन की सतत सजगता और प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण प्रमाण है।

प्रमुख उपाय

इस व्यवस्था को निरंतर प्रभावी बनाए रखने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है:

- जल आपूर्ति केंद्रों से नियमित अंतराल पर नमूनों का संग्रहण
- जल स्रोतों एवं भंडारण टैंकों की स्वच्छता सुनिश्चित करना
- परीक्षण परिणामों की सतत समीक्षा
- आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई।

बारिश से धान को बचाने उपार्जन केंद्रों में तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था



बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। चक्रवाती तूफान 'अकवान' के प्रभाव से जिले में पिछले 8 घंटे से रुक-रुककर हो रही बारिश को देखते हुए समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान की सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में धान को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल, पन्नी एवं कैप कवर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी समिति प्रबंधकों को उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त कैप कवर, पन्नी एवं तिरपाल की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही धान के सभी स्टैकों को मजबूत रस्सियों से अच्छी तरह बांधने को कहा है, ताकि तेज हवाओं के कारण तिरपाल उड़ने और धान के भीगने की स्थिति निर्मित न हो।

उन्होंने जमीन पर बहने वाले पानी एवं नमी से धान को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त ड्रेनेज व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा उपार्जन केंद्रों के फड़ के चारों ओर जल निकासी की व्यवस्था और नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

कलेक्टर ने सभी केंद्र प्रभारियों एवं समिति कर्मचारियों को 20 से 22 नवम्बर तक मुख्यालय में उपस्थित रहकर उपार्जन केंद्रों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा बारिश के दौरान धान की सुरक्षा एवं खरीदी केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय में गूंजेगा खेलों का उत्साह

■ दक्षिण क्षेत्रीय अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता की तैयारी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। शहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कुम्हरावण्ड की मेजबानी में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की दक्षिण क्षेत्रीय अंतरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 22 से 24 नवंबर तक किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस खेल महाकुंभ की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन समारोह रविवार 22 नवंबर को प्रात: 10 बजे महाविद्यालय परिसर में होगा।

इस प्रतियोगिता में कुल 17 विधाओं में रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें एथलेटिक्स के तहत 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर एवं 1500 मीटर दौड़ के साथ हाई जंप और लॉन्ग जंप शामिल हैं। इनके अलावा टेबल टेनिस, बैडमिंटन सिंगल व डबल, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल जैसे टीम व अन्य मुकाबलों में भी खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे। स्पर्धाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शासकीय विद्यालयों से 10 शासकीय रेफरी नियुक्त किए गए हैं, जिससे खिलाड़ियों में खास उत्साह देखा जा रहा है।

प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों के कुल 240 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। इनमें मेजबान शहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय जगदलपुर के साथ कृषि महाविद्यालय कुरुद, कृषि महाविद्यालय पखांजूर, रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय सिंगारभाट (कांकेर), लिंगो मुदियाल कृषि महाविद्यालय नारायणपुर, कृषि महाविद्यालय धमतरी एवं महामाया कृषि महाविद्यालय जगदलपुर की टीमें शामिल हैं और सभी दलों के जगदलपुर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. नवनीत राणा (अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कुरुद-धमतरी), डॉ. आदिकांत प्रधान (अधिष्ठाता, रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सिंगारभाट-कांकेर), डॉ. जी.एल. शर्मा (अधिष्ठाता, लिंगो मुदियाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, नारायणपुर), डॉ. पी.एल. जॉनसन (अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, पखांजूर-कांकेर), डॉ. ए.के. ठाकुर (सह संचालक अनुसंधान, परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, जगदलपुर) एवं डॉ. संतोष कुमार नाग (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर) शामिल होंगे।

फ्लाई ओव्हर के नीचे चला अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही



राजनांदगांव (विश्व परिवार)। जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ सुथरा रख स्वच्छ वातावरण निर्मित करने अवैध रूप से रखे ठेला खोमचा हटाने समझाईस देकर समय समय पर कार्यवाही की गयी। वर्तमान में अनाधिकृत रखे ठेला खोमचा एवं व्यवसाय करने वालो के कारण फ्लाई ओव्हर के नीचे गंदगी फैल रही थी तथा आगामी गुरूनानक जयंती में पार्किंग में अवरोध की स्थिति निर्मित न हो उसे ध्यान में रखकर निगम का अतिक्रमण अमला आज गुरूद्वारा के सामने फ्लाई ओव्हर के नीचे ठेला खोमचा हटाने की कार्यवाही किए। अतिक्रमण हटाव अभियान के तहत फ्लाई ओव्हर के नीचे से ठेला खोमचा हटाने निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम की मौजुदगी में आज नगर निगम की अतिक्रमण हटाव टीम के प्र.स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा, प्र. उप अभियंता चिराग मेश्राम, प्र.पटवारी मिलिन्द रेड्डी व गणेश झा तथा अमला आवश्यक संसाधन के साथ फ्लाई ओव्हर के नीचे पहुचे और गुरूद्वारा के सामने नीचे से अनाधिकृत रूप से रखे ठेले खोमचे व दुकान संचालित करने वाले ठेला हटाया गया। उक्त क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त होने से आगामी गुरूनानाक जयंती में वाहन पार्क करने में सुविधा होगी। आयुक्त मरकाम ने अपील करते हुये कहा है कि जिन लोगों की बंद वाहने फ्लाई ओव्रह के नीचे खडी है और जिनके द्वारा अनाधिकृत रूप से ठेला खोमचा व अन्य समान रखा गया है, वे कृपया स्वयं हटा लेवे, ताकि फ्लाई ओव्हर के नीचे स्वच्छ वातातरण निर्मित हो सके।

बेकाबू बोलेरो का कहर, होटल के बाहर खड़ी कारों को मारी जोरदार टक्कर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में तेज रफ्तार बोलेरो का कहर देखने को मिला। दीपका क्षेत्र में अनियंत्रित बोलेरो ने सडक़ किनारे रेस्टोरेंट के सामने पार्किंग में खड़ी कई गाडियों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मारुति कार और थार समेत कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। हादसे का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। जानकारी के मुताबिक, घटना गुरुवार रात दीपका थाना क्षेत्र के गेवरा-दीपका कटघोरा रोड स्थित सिंह रेस्टोरेंट के सामने की है। बताया जा रहा है कि बजरंग चौक की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो अचानक अनियंत्रित हो गई और रेस्टोरेंट की पार्किंग में खड़ी गाडियों को अपनी चपेट में ले लिया।

ऑक्सीजोन गार्डन में लाईट की मरम्मत कार्य कराया गया

रायपुर। रायपुर के ऑक्सीजोन गार्डन की प्रकाश व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु नगर पालिक निगम, रायपुर के



जोन क्रमांक-4 एवं मुख्यालय की विद्युत विभाग की टीम द्वारा विगत दिनांक 14.अक्टूबर 2026 को स्थल पर पहुंचकर स्ट्रीट लाइट एवं गार्डन लाइट के मरम्मत का कार्य किया गया था। इसके अतिरिक्त गार्डन परिसर में स्थापित विद्युत उपकरणों, स्ट्रीट लाइट एवं अन्य प्रकाश व्यवस्था का समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है तथा आवश्यकता अनुसार संबंधित टीम द्वारा मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य भी निरंतर किया जाता है, ताकि गार्डन में आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो एवं परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनी रहे।

जिले में शुरुआती दिनों में ही 14,920 क्विंटल से अधिक धान का उपार्जन



जगदलपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देशानुसार विगत 15 नवम्बर से शुरू हुए धान उपार्जन अभियान के तहत बस्तर जिले में किसानों की आमद और खरीदी प्रक्रिया में तेजी देखने को मिल रही है। शुक्रवार 20 नवम्बर तक की रिपोर्ट के अनुसार जिले के सभी 88 उपार्जन केन्द्रों में कुल 14,920.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। शुरुआती चरण में खरीदी के मामले में बड़ेमारेगा उपार्जन केन्द्र 1,595.20 क्विंटल के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद तोकापाल में 1,178.80 क्विंटल और रायकोट में 1,172.80 क्विंटल धान की उल्लेखनीय आवक दर्ज की गई है। अन्य सक्रिय केन्द्रों में बाबुसेमरा में 906.00 क्विंटल, पुसपाल में 804.00 क्विंटल, बिरसागुडा में 784.00 क्विंटल और बडान्जी में 642.00 क्विंटल धान खरीदा गया है। वहीं जिले के कई उपार्जन केन्द्रों पर अभी खरीदी की शुरुआत होना शेष है, जहाँ आने वाले दिनों में किसानों की आवक बढ़ने की उम्मीद है। धान का उठाव 15 जनवरी के बाद किया जाएगा, जिसके चलते खरीदी गई पूरी 14,920.40 क्विंटल धान संबंधित उपार्जन केन्द्रों में ही सुरक्षित रखा गया है।

राडा का भव्य दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) द्वारा हर वर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए ऑटोमोबाइल डीलर्स ने अपने परिवारजनों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह में सभी सदस्यों एवं उनके परिवारों ने एक-दूसरे को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा दीप प्रज्वलित कर दीपावली की खुशियों और उल्लास को साझा किया। पूरा आयोजन दीपों की रोशनी, आपसी सौहार्द और पारिवारिक आत्मीयता से जगमगा उठा।

इस अवसर पर राडा के अध्यक्ष श्री कैलाश खेमानी ने सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने के लिए राडा की पूरी टीम, पदाधिकारियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राडा की असली ताकत उसकी एकजुटता, आपसी सहयोग और सदस्यों के पारिवारिक संबंधों में निहित है।

कार्यक्रम में बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष चद्धस्त्रह्य त्तड्डद्वद्ग श्रठ्ठद्ग बनाया गया था, जहां बच्चों ने विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। वहीं सभी परिवारों के लिए विशेष रूप से फैमिली गेम्स आयोजित किए गए, जिनमें सदस्यों और उनके परिजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

समारोह का विशेष आकर्षण 9ञ्जश्वश्वह्म्यूजिक बैंड की शानदार संगीतमय प्रस्तुति रही। बैंड की मधुर धुनों और मनोरंजक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। सदस्यों एवं परिवारजनों ने संगीत और मनोरंजन के बीच यादगार पल बिताए।

राडा का यह दीपावली मिलन समारोह केवल उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने ऑटोमोबाइल व्यवसाय से जुड़े सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, एकता, पारिवारिक संबंधों और संगठनात्मक एकजुटता को और मजबूत करने का अवसर प्रदान किया।

इस आयोजन के माध्यम से राडा ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि संगठन की असली ताकत उसके सदस्य और उनके परिवार हैं। सभी ने हर्षोल्लास के साथ समारोह का आनंद लिया और एक-दूसरे को सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

गरीबों के बच्चों से शिक्षा छीनने का षड्यंत्र: कांग्रेस

रायपुर। रायपुर संभाग के 207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर के अत्याधुनिक विद्यालय परिसर को पीपीपी मॉडल के नाम पर उद्योगपतियों के हाथों सौंपने की तैयारी को भाजपा सरकार का शिक्षा विरोधी और गरीब विरोधी षड्यंत्र बताते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि यह कदम सीधे तौर पर आम छत्तीसगढ़िया परिवारों के बच्चों से गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त शिक्षा का अधिकार छीनने का षड्यंत्र है। आज छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि उसकी नीयत न तो गरीबों के प्रति साफ है और न ही राज्य के भविष्य के प्रति। रायपुर संभाग के 207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर सेक्टर-32 के 20 एकड़ में बने अत्याधुनिक स्कूल परिसर को 30 साल के लिए निजी हाथों में सौंपने का प्रस्ताव इस बात का सबूत है कि सरकार अब शिक्षा का सौदा करने लगी है। रमन सिंह के कार्यकाल में जो पाप डीएवी को स्कूल बेचकर किए गए थे, आज साय सरकार उसी रास्ते पर चलकर छत्तीसगढ़ के बच्चों का भविष्य पूंजीपतियों के हाथों गिरवी रख रही है। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी फैसले का सड़क से लेकर सदन तक पुरजोर विरोध करेगी।

दीपक बैज का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

■ बिजली बिल से लेकर नशे के कारोबार और बस्तर के मुद्दों पर उठाए सवाल



गौरेला-पेण्ड्रा (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने गौरेला दौरे के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बिजली बिलों में बढ़ोतरी, स्मार्ट मीटर, नशे के अवैध कारोबार, महतारी वंदन योजना और बस्तर में आदिवासियों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। बिजली बिलों को लेकर दीपक बैज ने एक उपभोक्ता का बिल दिखाते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी में एक महीने का बिजली बिल 33 हजार 710 रुपये आया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के आम उपभोक्ता बढ़े हुए बिजली बिलों से परेशान हैं। बैज ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में स्मार्ट मीटर के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। वहीं, महतारी वंदन योजना पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने इस योजना के जरिए राजनीतिक लाभ लिया है, जबकि आम जनता को अपेक्षित फायदा नहीं मिला। प्रदेश में नशे के बढ़ते अवैध कारोबार पर चिंता जताते हुए बैज ने कोरबा के एक हालिया वीडियो का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सूखा नशा, अवैध शराब, गांजा, चरस, अफीम और नशीली दवाओं का कारोबार तेजी से फैल रहा है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी पर भी सवाल उठाए और कहा कि इस पर केंद्र तथा राज्य सरकार को जवाब देना चाहिए। उनके मुताबिक, नशे की गिरफ्त में युवा और बच्चे आ रहे हैं, जिससे परिवारों की चिंता बढ़ रही है। बस्तर की स्थिति पर बोलते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि नक्सलवाद के नाम पर आदिवासियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और उनकी आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में कथित फर्जी मुठभेड़ों और झूठे मुकदमों का भी उल्लेख किया। बैज ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के दौरान जांच समिति के माध्यम से 1,300 से अधिक निर्दोष आदिवासियों को जेल से रिहा कराया गया था। उन्होंने कहा कि आज भी 25 हजार से अधिक आदिवासियों के खिलाफ दर्ज कथित फर्जी एफआईआर और वारंट के मुद्दे पर कांग्रेस संघर्ष कर रही है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 21 नवम्बर 2026

चिल्फी घाटी में कंटेनर वाहन खराब होने से आवागमन बाधित

कवर्धा। जिला के थाना चिल्फी क्षेत्र अंतर्गत स्थित घाटी में आज दिनांक - 20.11.2026 को घाटी के एक घुमावदार मोड़ पर कंटेनर वाहन खराब हो जाने से आवागमन बाधित हो गया था। सूचना प्राप्त होते ही डायल-112 की चिल्फी पैंथर-01 की टीम एवं चिल्फी पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और घटनास्थल पर पहुंचकर यातायात बहाल कराने की कार्यवाही प्रारंभ की। पुलिस टीम द्वारा खराब कंटेनर वाहन को ठीक कराने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही जे.सी.बी. की सहायता से वाहन को सडक़ मार्ग से हटवाया गया, जिससे कुछ ही घंटों में आवागमन पुन: सुचारू हो सका और घाटी में आवागमन कर रहे वाहन चालकों एवं यात्रियों को राहत मिली।

किरंदुल परियोजना में स्थापना दिवस, दीर्घसेवा पुरस्कार आयोजन



किरंदुल (विश्व परिवार)। एनएमडीसी लिमिटेड के 69वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 17.11.2026 को किरंदुल कॉम्प्लेक्स परियोजना के बैला क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ दीर्घ सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात गुलदस्ता भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके पश्चात श्री सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मा.सं) ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सर्वश्री किशन आहुजा, मुख्य महाप्रबंधक (वर्क्स),धीरेन भूषण, महाप्रबंधक (खनन)/खान प्रबंधक, बी.साम्या,महाप्रबंधक (सामग्री), मधुसुदन, महाप्रबंधक (अनुबंध), एसएस नाग,महाप्रबंधक (संयंत्र),नोमेश्वर राव,अध्यक्ष, एसकेएमएस, रवीश तिवारी, कार्यालय सचिव,एमएमडब्ल्यू यूनियन, बी.एल. तारम, सचिव, एनएमडीसी एससीएसटी समिति उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने परियोजना में 20,25,30 एवं 35 वर्ष की दीर्घ सेवा पुरस्कार प्राप्त करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को एनएमडीसी स्थापना दिवस और किरंदुल परियोजना को बेस्ट परियोजना का अवार्ड प्राप्त हुआ है, के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि एनएमडीसी अपना 69वां स्थापना दिवस मना रही है। आज का दिन हम सभी के लिए बेहद खास और गर्व का क्षण है। हमारी कंपनी ने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब से लेकर आज तक पीछे मुड़कर नहीं देखा। यह मुकाम सिर्फकिसी एक व्यक्ति की मेहनत से हासिल नहीं हुआ है। यह हमारी पूरी टीम की लगन, हमारे पुराने और नए कर्मचारियों की निष्ठा और मैनेजमेंट का सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

हमें इसी लगन और मेहनत से इस साल 19 मिलियन टन उत्पादन से आगे 23 मिलियन टन उत्पादन का कीर्तिमान हासिल करना है और मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इस कीर्तिमान को पाने के लिए अग्रसर है। हमारे सीएमडी महोदय ने 60 मिलियन टन उत्पादन की गाइडलाईन का अवसर दिया है। इसे हमें हरसंभव प्राप्त करना है और इसके लिए हमसब को पूरा जोर लगाना है। हमारे श्रमवीरों को एक एक घंटा का सदुपयोग करना है।

आगे उन्होंने कहा कि किरंदुल परियोजना को फेरथ एडिशन में बेस्ट परियोजना का अवार्ड प्राप्त हुआ है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। साथ ही विभिन्न वर्षों के उत्पादन कीर्तिमानों की बात भी कही।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों ने परियोजना में दीर्घ सेवा करनेवाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। इसके पश्चात स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसे सभी ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन रोजमेरी सोरेन, उप प्रबंधक (मा.सं.) एवं सुश्री कुनामी हंसदा, उप प्रबंधक (मा.सं.) ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री एम.तिरूपति राव, उप महाप्रबंधक (मा.सं.) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मानव संसाधन विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का अहम योगदान रहा।

एनएसपीसीएल भिलाई के सहयोग से युवाओं को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण

- दुर्ग जिले के 80 युवाओं को सिपेट रायपुर में नि:शुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण के बाद मिलेगा रोजगार



रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार के उपक्रम एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड (एनएसपीसीएल) भिलाई के कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत प्रायोजित तथा प्रतिष्ठित संस्था केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के युवाओं के लिए तीन माह का नि:शुल्क आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 80 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी अभ्यर्थियों देश के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों में रोजगार दिलाया जायेगा।

वर्तमान में प्लास्टिक एवं पॉलीमर उद्योग देश के औद्योगिक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुके हैं। छत्तीसगढ़ में भी प्लास्टिक / पॉलीमर, आधारित उद्योग तेजी से विस्तार कर रहे हैं, जिसमे रोजगार के नए अवसर सृजन हो रहे हैं छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित प्लास्टिक पार्क तथा राज्य में विकसित हो रहे औद्योगिक एवं विनिर्माण क्षेत्रों के कारण आने वाले समय में प्लास्टिक प्रोसेसिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, प्लास्टिक उत्पाद निर्माण एवं संबंधित क्षेत्रों में कुशल तकनीकी मानव संसाधन की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में दुर्ग जिले के युवाओं के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य के औद्योगिक अवसरों से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगा। सिपेट द्वारा यह प्रशिक्षण असिस्टेंट मशीन ऑपरेटर - प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एवं असिस्टेंट मशीन ऑपरेटर - इंजेक्शन मोल्डिंग पर दिया जायेगा । इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 80 सीटें स्वीकृत हैं।

सेन्ट्रल बैंक ऑफइंडिया द्वारा एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित



रायपुर (विश्व परिवार)। सेन्ट्रल बैंक ऑफइंडिया आज के दिन सारे भारत में एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी तारतम्य में बैंक द्वारा आज बिलासपुर के लायंस क्लब में एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमियों को हमारे बैंक के एमएसएमई ऋण के नये प्रोडक्ट की जानकारी देना तथा उद्यमियों को एमएसएमई ऋण वितरित करना है। इस कार्यक्रम में लगभग 100 उद्यमियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित एमएसएमई उद्यमियों को एमएसएमई प्रोडक्ट से संबंधित जानकारी के साथ ही संबंधित समस्याओं के फीडबैक लेकर अपने प्रोडक्ट व प्रक्रिया में यथासंभव सुधार करने का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रीमती कविता दारों, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बिलासपुर एवं विशेष अतिथि के रूप में जिला उद्योग संघ, बिलासपुर के अध्यक्ष श्री सतीश शाह जी उपस्थित रहे। विशेष रूप से इस कार्यक्रम में मुंबई मुख्यालय से पधारी मुख्य महाप्रबंधक सुश्री कविता ठाकुर जी ने सभी उपस्थितों को संबोधित किया।

पूरा कार्यक्रम रायपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रफुल्ल बंसल के नेतृत्व तथा रायपुर क्षेत्र के मुख्य प्रबंधक श्री पवन कुमार के समन्वय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में रायपुर क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय सिन्हा तथा बिलासपुर क्षेत्र के सभी शाखा प्रमुख विशेष रूप से उपस्थित थे। आज बिलासपुर में आयोजित एमएसएमई ऋण कार्यक्रम में कुल 80 हितग्राहियों को रु. 193 करोड़ के एमएसएमई ऋणों की स्वीकृति दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन बैंक की अधिकारी सुश्री पल्लवी तिवारी द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का समापन बिलासपुर शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री सरोज कांत स्वाईं के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

छत्तीसगढ़ के दो होनहार विद्यार्थी दक्षिण कोरिया में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बढ़ाया उत्साह



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के दो होनहार विद्यार्थी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। रायपुर के वेदिक इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा सातवीं के विद्यार्थी पराक्रम सिन्हा और मोहम्मद गौस अंसारी का चयन दक्षिण कोरिया में 28 एवं 29 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली रोबोटेक्स इंटरनेशनल ग्रैंड फाइनल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। दोनों विद्यार्थी इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से दोनों विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बच्चों में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। उन्हें सही अवसर, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन मिले तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में रोबोटिक्स जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करना अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज विज्ञान और तकनीक का युग है। हमारे बच्चों में नई तकनीक को सीखने, समझने और नवाचार करने की रुचि बढ़ रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, तकनीकी ज्ञान और अपनी प्रतिभा निखारने के बेहतर अवसर मिलें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों विद्यार्थी दक्षिण कोरिया में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हासिल किया द्वितीय स्थान

उल्लेखनीय है कि पराक्रम सिन्हा और मोहम्मद गौस अंसारी ने नेशनल चैंपियनशिप 2026 की LEGO Line Follower श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। इसी उपलब्धि के आधार पर उनका चयन रोबोटेक्स इंटरनेशनल ग्रैंड फाइनल के लिए हुआ है।

डॉक्टर को सीजीएमएससी में नियम विरुद्ध जीएम पद पर प्रतिनियुक्ति: दीपक बैज

- निजी अस्पताल चलाने के आरोपी को दवा निगम की कमान



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन में निजी अस्पताल संचालन के आरोपों में घिरे और कथित तौर पर कार्रवाई के दायरे में रहे डॉ. ताम्रकार को महाप्रबंधक की अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि जब विभागीय नियमों और राज्य सरकार के ही आदेशों में स्पष्ट है कि किसी भी डॉक्टर को प्रतिनियुक्ति पर नहीं भेजा जाएगा, फिर अचानक जीएम के प्रशासनिक पद पर प्रतिनियुक्ति कैसे की गई? ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से घटिया दवाओं की खरीद, थैला पहुंच सेवा जैसे मामलों की आशंका, और इसी तरह से छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल में अयोग्य स्टोर कीपर को रजिस्ट्रार बनाकर वसूली नेटवर्क चलाने के आरोपों व बिलासपुर हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों ने पूरे स्वास्थ्य-दवा तंत्र की विश्वसनीयता कटघरे में खड़ी कर दी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार के सुशासन के दावों की पोल दवा निगम और फार्मेसी काउंसिल के मामलों ने खोल दी है। डॉ. जितेंद्र ताम्रकार के द्वारा छुईखदान में निजी संचालित करने और वहां पर एक महिला की मौत के मामले में कांग्रेस विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा ने पिछले साल विधानसभा में उठाया था, जब विधानसभा में मंत्री स्वयं कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने की बात कहते हैं, तो उसी बीच नियमों के विपरीत निजी अस्पताल संचालन के आरोपों से घिरे डॉक्टर को सीजीएमएससी का जीएम बनाना गंभीर संदेह पैदा करता है। बीते ढाई साल में ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से दवा खरीदी के अनेकों मामले उजागर हुए हैं, संभावित थैला पहुंच सेवा के चलते किसी पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

राजेश मूणत ने किया सरोना में निर्माणाधीन 100 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण

- स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से सरोना सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को मिलेगा लाभ



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों एवं जनसुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेश मूणत ने संत रविदास वार्ड, सरोना में निर्माणाधीन 100 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल भवन के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। इसके साथ ही रायपुरा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा कर उनकी वर्तमान स्थिति एवं प्रगति के संबंध में चर्चा की।

सरोना में निर्माणाधीन 100 बिस्तरीय अस्पताल रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परियोजना है। लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत इस अस्पताल में सामान्य चिकित्सा, प्रसूति एवं शिशु रोग, सर्जरी, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, एक्स-रे, पैथोलॉजी, ओपीडी तथा भर्ती मरीजों के लिए बिस्तर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इसके साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। अस्पताल के पूर्ण होने पर सरोना सहित आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस में आंतरिक कलह और गुटबाजी चरम पर : संतोष पाण्डेय



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रदेश कांग्रेस की वर्तमान स्थिति और सांगठनिक बदलावों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से द्वेष, क्लेश, कलह और गुटबाजी में फँस चुकी है। श्री पाण्डेय ने कांग्रेस नेताओं की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी के भीतर अपनी ढफ्ली, अपना राग, अपना नगाड़ा, अपना फाग जैसी स्थिति बनी हुई है।

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस में किसी भी नेता के बीच आपसी समन्वय नहीं है और हर कोई अपनी अलग दिशा में चल रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का उल्लेख करते हुए श्री पाण्डेय ने कहा कि भूपेश बघेल और ताम्रध्वज साहू एक ही डाल पर नजर आ रहे हैं, जबकि देवेंद्र यादव राजनीतिक रूप से डाउनफॉल (पतन) की ओर हैं। भिलाई की राजनीति और आपसी खींचतान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस में 'हमारी बिल्ली, हमीं से म्याऊँ' के हालात पैदा हो गए हैं, जहाँ नेता एक-दूसरे को ही घेरने और नीचा दिखाने में लगे हुए हैं।

आत्मसमर्पितों से मिली पुलिस को सूचना, जब्त किया नक्सलियों का डंप जखीरा

- पुंगारपाल क्षेत्र में बेड़मा के जंगलों से हैंड ग्रेनेड, जिलेटिन रॉड सहित 36 किलो विस्फोटक मिला।



कोण्डागांव (विश्व परिवार)। जिला पुलिस को माओवादियों के खिलाफ अभियान में एक और महत्त्वपूर्ण सफलता मिली है। आत्मसमर्पित माओवादियों की निशानदेही पर थाना पुंगारपाल क्षेत्र के ग्राम बेड़मा के जंगलों में छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। गुरुवार को उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) सिद्धार्थ बघेल के नेतृत्व में नक्सल सेल, डीआरजी/बस्तर फाइटर्स और बीडीएस टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। तलाशी अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा डंप किए गए दो अलग-अलग ठिकानों से एक हैंड ग्रेनेड, दो जिलेटिन रॉड, लगभग 25 मीटर कॉर्डेक्स वायर, 200 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, एक वॉकी-टॉकी चार्जर, 14 नग टिफ्लि, 11 नग बैटरी सेट और लगभग 36 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री सहित अन्य सामान जब्त किया गया। जब्त सामग्री में सल्फर, सोडियम नाइट्रेट, मल्टीमीटर, रस्सी, सिरिंज, टिन पेटी और जूते-चप्पल भी शामिल हैं। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बद्रीनारायण मीणा और पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मर्दापाल, नरेंद्र पुजारी के मार्गदर्शन में निरीक्षक मनीप्रसाद राजवाड़े के हमराह टीम ने यह कार्रवाई की। इस बरामदगी से माओवादियों को बड़ा झटका लगा है और उनकी विध्वंसक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

किरण देव ने योगी आदित्यनाथ की माताजी के निधन पर शोक जताया



रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूर्व सांसारिक आश्रम की पूज्यनीया माताजी श्रीमती सावित्री देवी के देवलोकगमन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्यनीया माताजी के निधन का समाचार अत्यन्त दु:खद एवं पीड़ादायक है। एक माँ का साया सिर से उठ जाना जीवन की सबसे बड़ी और अपूरणीय क्षति होती है, जिसकी भरपाई सम्भव नहीं है। माता सावित्री देवी का संपूर्ण जीवन सादगी, त्याग और उच्च संस्कारों का प्रतीक रहा, जिन्होंने राष्ट्र और समाज को योगी आदित्यनाथ जैसा तपस्वी और कर्मयोगी नेतृत्व प्रदान किया। श्री देव ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक की इस घड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समस्त शोकाकुल परिजनों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कोहरे के मौसम में संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष तैयारी

- लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सटीक जानकारी देने में सहायक हैं 3657 फॉग सेफ डिवाइस।



बिलासपुर (विश्व परिवार)। सर्दियों के मौसम में कोहरे के कारण ट्रेन परिचालन में आने वाली चुनौतियों से निपटने तथा यात्रियों की संरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। इसी क्रम में रेलवे द्वारा अपने तीनों रेल मंडलों में लगभग 3657 फॉग सेफ डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं। जीपीएस आधारित यह आधुनिक उपकरण घने कोहरे के दौरान लोको पायलटों को रेल मार्ग में आने वाले सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट, रेलवे स्टेशन एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सटीक जानकारी प्रदान करने में सहायक हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रेल नेटवर्क भौगोलिक दृष्टि से विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसमें मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ घने जंगलों एवं पहाड़ी क्षेत्र भी शामिल हैं। विशेष रूप से खोंगसरा एवं भनवारटंक के आसपास के रेलखंडों में सर्दियों के दौरान घना कोहरा ट्रेन परिचालन को प्रभावित करता है। ऐसे में ट्रेन परिचालन के दौरान लोको पायलटों को सिग्नल एवं रेल मार्ग को देखने में फॉग सेफडिवाइस महत्वपूर्ण सहायक की भूमिका निभाता है।

क्या है फॉग सेफडिवाइस और कैसे करता है काम

फॉग सेफ डिवाइस एक जीपीएस आधारित नेविगेशन उपकरण है, जो लोको पायलट को रेल मार्ग की पूर्व निर्धारित जानकारी उपलब्ध कराता है। इसमें एक एंटीना लगा होता है, जो जीपीएस सिग्नल प्राप्त करता है। साथ ही, इसकी मेमोरी में संबंधित रेल मार्ग की जानकारी पहले से फीड रहती है।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354